दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 314/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 28 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

ड्रोन हमलों से निपटने के लिए भारतीय सेना ने शुरू की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ड्रोन हमलों से निपटने का समाधान ढूंढने के लिए परीक्षण कर रही है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकी ठिकानों के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस्लामाबाद ने बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था।

धनखड़ का आपातकाल पर बड़ा हमला

प्रस्तावना में बदलाव संभव नहीं, फिर भी 1976 में इसे बदला गया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आपातकाल को लेकर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता क्योंकि यह वह बीज है जिस पर यह दस्तावेज विकसित होता है। लेकिन भारत के अलावा किसी अन्य देश के संविधान की प्रस्तावना में परिवर्तन नहीं किया गया।

एक पुस्तक विमोचन समारोह में उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 1976 के 42वें संविधान (संशोधन) अधिनियम द्वारा बदल दिया गया। इसमें समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता जैसे शब्द जोड़े गए। हमें इस पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीआर आंबेडकर ने संविधान पर कड़ी मेहनत की थी और उन्होंने इस पर ध्यान केंद्रित किया होगा।

आरएसएस ने उठाया था संविधान की समीक्षा का मुद्दा- इससे पहले आरएसएस ने संविधान की प्रस्तावना में शामिल समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा करने का मुद्दा उठाया था। आरएसएस ने कहा था कि इन शब्दों को आपातकाल के दौरान संविधान में शामिल किया गया था और ये कभी भी आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे।

संघ से जुड़ी साप्ताहिक पत्रिका ऑर्गेनाइजर में प्रकाशित लेख में कहा गया कि कांग्रेस की तरफ से आपातकाल के दौरान किए गए 42वें संशोधन से ये शब्द संविधान में जोड़े गए थे, जो कि संविधान सभा की मूल भावना या बहसों का हिस्सा नहीं थे। यह कदम एक %राजनीतिक चाल% थी, न कि संविधान सभा के सोच-समझ कर लिए गए फैसले का परिणाम।

दत्तात्रेय होसबाले ने दिया था बयान

राष्ट्रीय स्वंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संविधान की प्रस्तावना में किए गए बदलावों को निरस्त करने के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी से माफी मांगने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और पंथनिरपेक्ष शब्द आपातकाल के दौरान ही जोड़े गए थे। कांग्रेस ने होसबाले की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि संघ ने कभी संविधान को स्वीकार ही नहीं किया। यह आंबेडकर की समावेशी और न्यायपूर्ण भारत की सोच को खत्म करने की एक साजिश है।

प्रधानमंत्री मोदी को धर्म चक्रवर्ती की उपाधि से सम्मानित किया

जैन मुनि आचार्य विद्यानंद महाराज की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित किया कार्यक्रम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान धर्म चक्रवर्ती की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम प्रख्यात जैन मुनि आचार्य विद्यानंद महाराज की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम की

शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक वर्षभर चलने वाले राष्ट्रीय श्रद्धांजलि अभियान के उद्घाटन के साथ हुई। इस अभियान के तहत देशभर में सांस्कृतिक प्रदर्शनी, शैक्षिक अभियान, विद्वत गोष्ठियां और अंतरधार्मिक संवाद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे जैन दर्शन और भारत की आध्यात्मिक विरासत को व्यापक पहचान मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आचार्य विद्यानंद महाराज की 100वीं जयंती के अवसर पर उनके शताब्दी समारोह

के दौरान डाक टिकट और सिक्के जारी किए।

कौन हैं आचार्य विद्यानंद महाराज?

आचार्य विद्यानंद महाराज जैन धर्म के उन विचारशील मुनियों में से एक थे जिन्होंने प्राकृत भाषा, जैन दर्शन और भारतीय तात्त्विक चिंतन पर 50 से अधिक ग्रंथों की रचना की। उनके नेतृत्व में कई प्राचीन जैन मंदिरों का पुनरुद्धार हुआ और पारंपरिक शिक्षा को प्रोत्साहन मिला। उन्होंने अहिंसा, संयम और आत्मकल्याण जैसे मूल्यों को केवल प्रवचन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सामाजिक सुधार और वैचारिक जागरण का माध्यम बनाया।

क्या होती है धर्म चक्रवर्ती की उपाधि?

धर्म चक्रवर्तीउपाधि का अर्थ है- धर्म के चक्र को चलाने वाला महान मार्गदर्शक। यह उपाधि जैन परंपरा में उस व्यक्ति को दी जाती है जो अहिंसा, सत्य और नैतिक मूल्यों का वैश्विक प्रचार-प्रसार करता है। प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान भारत की आध्यात्मिक परंपरा को आधुनिक मंचों पर पहुंचाने, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जैन मूल्यों की प्रतिष्ठा बढ़ाने और एक समावेशी, नैतिक समाज निर्माण की दिशा में योगदान के लिए दिया गया।

आपके इस प्रसाद को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं

पीएम ने कहा कि आज इस अवसर पर आपने मुझे धर्म चक्रवर्ती की उपाधि देने का जो निर्णय लिया है, मैं खुद को इसके योग्य नहीं समझता हूं। लेकिन हमारा संस्कार है कि हमें संतों से जो कुछ मिलता है उसे प्रसाद समझकर स्वीकार किया जाता है। इसलिए मैं आपके इस प्रसाद को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं और मां भारती के चरणों में अर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि हमें विकास और विरासत को एक साथ लेकर आगे बढ़ना है। इसी संकल्प को केंद्र में रखकर हम भारत के सांस्कृतिक स्थलों और तीर्थ स्थानों का भी विकास कर रहे हैं। यह दिन इसलिए भी खास है क्योंकि 28 जून 1987 को आचार्य विद्यानंद मुनिराज को आचार्य की उपाधि मिली थी। यह सिर्फ सम्मान नहीं था बल्कि जैन संस्कृति को विचारों, संयम और करुणा से जोड़ने वाली पवित्र धारा भी थी। आज जब हम उनकी 100वीं जयंती मना रहे हैं तो यह हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है। जैन मुनि आचार्य श्री विद्यानंद महाराज की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि प्राकृत भारत की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है। ये भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा है। लेकिन अपनी संस्कृति की उपेक्षा करने वालों के कारण ये भाषा सामान्य प्रयोग से बाहर होने लगी थी। हमने आचार्य श्री जैसे संतों के प्रयासों को देश का प्रयास बनाया। हमारी सरकार ने प्राकृत को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया। हम भारत की प्राचीन पाण्डुलिपियों को डिजिटाइज करने का अभियान भी चला रहे हैं। आचार्य विद्यानंद महाराज कहते थे कि जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब जीवन स्वयं ही सेवामय बन जाए।

पीएम मोदी 2 से 9 जुलाई में करेंगे पांच देशों की यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 जुलाई से पांच देशों की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वे ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और वैश्विक दक्षिण के कई प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों का विस्तार करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, आठ दिवसीय यात्रा के दौरान मोदी ब्राजील के अलावा घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा करेंगे। यात्रा के पहले चरण में मोदी 2 से 3 जुलाई तक घाना की यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री की घाना की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। यह तीन दशकों में भारत से घाना की पहली प्रधानमंत्री यात्रा होगी।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा के दौरान मोदी घाना के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा की जाएगी और आर्थिक, ऊर्जा और रक्षा सहयोग के माध्यम से इसे बढ़ाने के लिए आगे के अवसरों पर चर्चा की जाएगी। घाना से मोदी 3 से 4 जुलाई तक दो दिवसीय यात्रा पर त्रिनिदाद और टोबैगो जाएंगे। यह 1999 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। यात्रा के दौरान मोदी त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू और प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर से बातचीत करेंगे। मोदी के द्वीप राष्ट्र की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने की भी उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद और टोबैगो यात्रा दोनों देशों के बीच गहरे और ऐतिहासिक संबंधों को नई गति प्रदान करेगी।

तीसरे चरण में अर्जेंटीना व चौथे में ब्राजील पहुंचेंगे

मोदी अपनी यात्रा के तीसरे चरण में 4 से 5 जुलाई तक अर्जेंटीना का दौरा करेंगे। वहां वे रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और निवेश सहित प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अर्जेंटीना साझेदारी को और बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ व्यापक वार्ता करेंगे। पीएम की द्विपक्षीय यात्रा से भारत और अर्जेंटीना के बीच बहुमुखी रणनीतिक साझेदारी और अधिक गहरी होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले

भारत 2029 में करेगा विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों की मेजबानी, गौरव का क्षण

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारत को प्रतिष्ठित विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल-2029 की मेजबानी मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे हर भारतीय के लिए गौरव का क्षण बताया है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि भारत को प्रतिष्ठित विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल-2029 की मेजबानी मिलना हर भारतीय के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि भारत को इन खेलों की मेजबानी मिलना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विस्तृत खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की वैश्विक मान्यता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद का इन खेलों के आयोजन स्थल के रूप में चुना जाना, जिसमें पुलिस, अग्निशमन और आपदा सेवाएं 50 से अधिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगी, एक खेल स्थल के रूप में शहर की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण है।

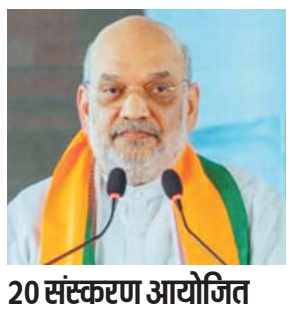

20 संस्करण आयोजित किए जा चुके हैं

विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल 1985 से हर दो साल में एक बार आयोजित किए जाते हैं। शुरुआत से लेकर अब तक इन खेलों के 20 संस्करण आयोजित किए जा चुके हैं (अमेरिका-8 बार, कनाडा-5 बार, यूरोप-4 बार, ब्रिटेन-2 बार और चीन-एक बार)। इन खेलों में पुलिस, अग्निशमन, चिकित्सा, आपातकालीन, आपदा सेवाओं और प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं आदि के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मी हिस्सा ले सकते हैं।

सीएम आज भिंड के दंदरौआधाम को 44.5 करोड़ की देंगे सौगात

विकास कार्यों का होगा भूमिपूजन

भिंड। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज (शनिवार) भिंड जिले के मेहगांव विकासखंड के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल दंदरौआ धाम आएंगे। वे यहां एक दिवसीय प्रवास के दौरान किसान एवं रोजगार सम्मेलन में शामिल होकर जिले को 44.5 करोड़ रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगात देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दंदरौआ धाम पहुंचेंगे। यहां किसान एवं रोजगार सम्मेलन में शामिल होने के बाद सायं हेलिकॉप्टर से ग्वालियर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे।

करोड़ों के विकास कार्य का भूमिपूजन

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 43.91 करोड़ रुपए लागत के 48 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन तथा 0.59 करोड़ रुपए लागत के 2 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इन कार्यों में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, योजना मंडल (विधायक निधि), नगर परिषद गोरमी व मेहगांव, विद्युत वितरण कंपनी वृत्त भिंड, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक निर्माण विभाग तथा राजस्व विभाग के लोक परिसंपत्ति प्रबंधन से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं।

पृथ्वीपुर में मोहन यादव नारी शक्ति सम्मेलन को करेंगे संबोधित

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर नगर पहुंचेंगे। पृथ्वीपुर सरकारी महाविद्यालय में उनके उतरने के लिए हेलीपैड बनाया गया है। हेलीपैड से वह कॉलेज परिसर में स्थित राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके बाद वह कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम के तहत नारी शक्ति सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूरी तैयारी कर ली गई है। मंच तैयार हो गया है, जिसमें करीब 50 हजार से अधिक लोगों की बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

भारत ने लगाई समुद्री छलांग

श्रीलंका के साथ कर ली डॉकयार्ड डील चीनी घुसपैठ को करारा जवाब

नई दिल्ली एजेंसी। भारत की प्रमुख रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड, कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी (सीडीपीएलसी) में नियंत्रण हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा की है। यह सौदा 52.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 452 करोड़ रुपये) का है। यह भारत की किसी सरकारी रक्षा शिपयार्ड कंपनी द्वारा किया गया पहला अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण होगा और इसके जरिए भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में एक रणनीतिक उपस्थिति मिलेगी। यह सौदा ऐसे समय में हुआ है जब चीन की सैन्य और आर्थिक घुसपैठ श्रीलंका सहित पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

क्षेत्रीय समुद्री शक्ति बनाएगी डील

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी रक्षा शिपयार्ड कंपनी है। इसने कोलंबो डॉकयार्ड में कम से कम 51त्न हिस्सेदारी हासिल करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अधिग्रहण प्राथमिक पूंजी निवेश और द्वितीयक शेयर खरीद के संयोजन के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड कंपनी लिमिटेड से शेयरों की खरीद शामिल है, जो वर्तमान में सीडीपीएलसी की बहुसंख्यक हिस्सेदार है। यह सौदा नियामक अनुमोदन और अन्य सामान्य शर्तों के अधीन है, और इसके चार से छह महीने में पूरा होने की उम्मीद है। सौदे के पूरा होने पर, कोलंबो डॉकयार्ड भारत की एमडीएल की सहायक कंपनी बन जाएगी। एमडीएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक कैप्टन जगमोहन ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, सीडीपीएलसी में नियंत्रण हिस्सेदारी का प्रस्तावित अधिग्रहण हमारे शिपयार्ड को एक क्षेत्रीय समुद्री शक्ति और आगे चलकर एक वैश्विक शिपबिल्डिंग कंपनी में बदलने की दिशा में एक गेटवे है। उन्होंने कहा, कोलंबो पोर्ट पर सीडीपीएलसी की रणनीतिक स्थिति, इसकी सिद्ध क्षमताएं और क्षेत्रीय उपस्थिति, एमडीएल को दक्षिण एशिया में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगी।

50 से अधिक वर्षों का अनुभव

सीडीपीएलसी के पास जहाज निर्माण, मरम्मत और भारी इंजीनियरिंग का 50 से अधिक वर्षों का अनुभव है। यह कंपनी जापान, नॉर्वे, फ्रांस, यूएई, भारत और कई अफ्रीकी देशों के लिए जटिल ऑफशोर सपोर्ट वेसल, केबल-लेइंग जहाज, टैंकर और गश्ती नौकाएं बना चुकी है। सीडीपीएलसी वर्तमान में लगभग 300 मिलियन डॉलर की परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिसमें केबल-लेइंग शिप, मल्टीपर्पज यूटिलिटी शिप और फ्लीट सपोर्ट वेसल्स शामिल हैं। एक एमडीएल अधिकारी ने कहा, एमडीएल के तकनीकी सहयोग, भारतीय सप्लाई चैन तक पहुंच।

पुरी जगन्नाथ यात्रा में आस्था का सैलाब

पुरी। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। 12 दिन चलने वाली रथ यात्रा का आज दूसरा दिन है। आज फिर से भगवान जगन्नाथ को मौसी के घर ले जाने के लिए रथ खींचे जा रहे हैं। यह भव्य यात्रा पुरी के जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर गुंडिचा मंदिर तक जाती है। जगन्नाथ रथ यात्रा में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा है। इसको लेकर देश विदेश से भक्त इन दिनों पुरी पहुंच रहे हैं। 12 दिन चलने वाली रथ यात्रा को लेकर भक्त उत्साहित हैं।

पुरी पहुंचे गौतम अदाणी

दाणी समूह ने प्रयागराज महाकुंभ की तरह ही ओडिशा के पुरी में चल रही जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भी भक्तों के लिए प्रसाद सेवा की व्यवस्था की है। रथ यात्रा में शामिल होने वाले लाखों भक्तों और सेवादारों को अदाणी ग्रुप भोजन उपलब्ध करा रहा है। 26 जून से शुरू इस व्यवस्था के तहत 8 जुलाई तक, अदाणी ग्रुप करीब 40 लाख लोगों को भोजन और पानी वितरित करने

जा रहा है। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी शनिवार को ओडिशा के पुरी पहुंचे। यहां पर वह भगवान जगन्नाथ के दर्शन करेंगे. पुरी के होटल मेफेयर से वह गुंडीचा मंदिर के लिए रावान होंगे। मंदिर में 20 मिनट तक दर्शन-पूजन करने के बाद वह भगवान के रथों की पूजा करेंगे और वहां मौजूद श्रद्धालुओं से बातचीत करेंगे. इसके बाद वह इस्कॉन के उस किचन का दौरा करेंगे, जहां पर श्रद्धालुओं के लिए भोजन बनाया जा रहा है. इसके बाद वह प्रसाद सेवा में हिस्सा लेंगे। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करेंगे और खुद भी ग्रहण करेंगे।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में विदेशों से भी पहुंचे श्रद्धालु

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में विदेशों से भी श्रद्धालु पहुंचे हैं। पश्चिमी अफ्रीका से आई एक श्रद्धालु ने कहा कि %वह पहली बार पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल हो रही है। हमने अभी तक भगवान जगन्नाथ के दर्शन ही किए हैं, लेकिन आज उम्मीद है कि उनके रथ को खींचने का सौभाग्य भी मिलेगा।% एक अन्य श्रद्धालु गौरांगी ने कहा कि वह बीते 20 वर्षों से भारत में रह रही है। कल रथ यात्रा उत्सव का पहला दिन था, लाखों लोग आए। मुझे उम्मीद है कि भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों पर दया करेंगे और हमे भी उनका रथ खींचने का मौका मिलेगा।

27 फीट ऊंचे हाइड्रोलिक रथ पर आज निकलेंगे भगवान जगन्नाथ

यात्रा शाम 4 बजे भोपाल टॉकीज से शुरू होगी

भोपाल। इस्कॉन मंदिर से शनिवार को भगवान श्रीजगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा की रथयात्रा निकाली जाएगी। यात्रा शाम 4 बजे भोपाल टॉकीज से शुरू होकर हमीदिया रोड, भारत टॉकीज, रोशनपुरा, रंगमहल और न्यू मार्केट होते हुए माता मंदिर स्थित प्लेटिनम प्लाजा पर समापन को पहुंचेगी। रथयात्रा का शुभारंभ भोपाल की महापौर मालती राय आरती कर करेंगी। समापन स्थल पर मध्यप्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर आरती में शामिल होंगी। यह इस्कॉन भोपाल की तेरहवीं वार्षिक रथयात्रा होगी। इस बार रथ पूरी उड़ीसा के नंदीघोष रथ की तर्ज पर बनाया गया है। 27 फीट ऊंचा, 24 फीट लंबा और 17 फीट चौड़ा यह रथ लोहे के मजबूत फाउंडेशन पर खड़ा है, जबकि ढांचा सागौन की लकड़ी से निर्मित है। 2 टन लोहे और 50 घन फीट लकड़ी से बने इस रथ में छह फीट ऊंचे लकड़ी के विशाल पहिए लगाए गए हैं। इसकी ऊंचाई को हाइड्रोलिक लीवर से समायोजित किया जा सकता है। रथ की छत को सुंदर वास्तुशिल्पीय नक्काशी और रंगीन वस्त्रों से सजाया गया है। यह रथ पूरी तरह से हाइड्रोलिक है, जिसे आवश्यकता अनुसार ऊपर या नीचे किया जा सके।

रूस के श्रद्धालु भी शामिल होंगे- इस वर्ष रथयात्रा में इस्कॉन के जोनल सेक्रेटरी महामन दास प्रभुजी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उनके साथ रूस से वितांक दास और द्विजमणि दास जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध भक्त भी भोपाल आएंगे। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी की संभावना जताई जा रही है। रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा माता की झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है।

रेलवे स्टेशन में आने-जाने वाले यात्रियों की बारिश में बढ़ी परेशानी, बाहर भर रहा पानी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों की फजीहत बढ़ गई है। दरअसल मेट्रो स्टेशन निर्णय कार्य के चलते प्लेटफार्म नंबर 6 की तरफ महज आधे घंटे की बारिश में ही दो से तीन फीट तक पानी भरा जा रहा है। ऐसे में यात्रियों को स्टेशन के अंदर जाने और बाहर आने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि रेलवे स्टेशन के अलावा भोपाल के दूसरे क्षेत्रों में भी पानी भर रहा है, जबकि नगर निगम ऐसी बस्तियों में पानी भराव रोकने के लिए काफी समय से तैयारी में जुटा हुआ है। इसके लिए लाखों रुपए खर्च भी किए गए लेकिन एक दिन पहले महज 1 घंटे की तेज बारिश में कई बस्तियों में पानी भर गया जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई। शहर में अगर लगातार बारिश का दौर शुरू होता है तो स्थिति और भी गंभीर बन सकती है। कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति बनेगी। भोपाल रेलवे स्टेशन स्थित पार्सल कार्यालय में करीब ढाई फीट पानी भर गया, जिससे पार्सल बुकिंग और डिलीवरी की व्यवस्था पर असर पड़ा है। जानकारी के मुताबिक, तीन मुख्य बुकिंग काउंटर पूरी तरह बंद हैं। इसके चलते 400 से ज्यादा लोग अपनी पार्सल बुकिंग नहीं कर पाए हैं या उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि बुकिंग पर ज्यादा असर नहीं पड़ा दूसरी जगह से बुकिंग कराई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह जलभराव कल रात से बना हुआ है और अब अधिकतर पानी खाली कर दिया गया है। प्रवक्ता नवल अग्रवाल ने बताया कि संबंधित टीमें काम कर रहीं हैं जल्द यह व्यवस्था दुरुस्त हो जाएगी। हालात को देखते हुए पार्सल विभाग ने पास ही स्थित एक अन्य कार्यालय को अस्थायी बुकिंग काउंटर में तब्दील कर दिया है, जहां से फिलहाल सीमित स्तर पर कामकाज किया जा रहा है। वहीं डिलीवरी के लिए एक अलग शेड में नया काउंटर खोला गया है, लेकिन संसाधन सीमित होने के कारण यह व्यवस्था लोगों की जरूरतों को पूरा करने में नाकाफी साबित हो रही है। रेलवे अधिकारियों ने बताया जलभराव का कारण स्टेशन के पार्सल कार्यालय के पास की नाली का जाम होना है, जिसकी वजह से बारिश का पानी निकासी नहीं पा सका और पूरा ऑफिस इसकी चपेट में आ गया।

एक घंटे की तेज बारिश से सड़कें हो गई थी लबालब

एक घंटे की तेज बारिश में राजधानी भोपाल के अल्पना तिराहा, बाल विहार, जैन नगर, लालघाटी गुफा मंदिर के पास मकानों में, नुक्कड़ वाली माता मंदिर, सैनिक कॉलोनी बैरागढ़ के आसपास मकानों में, शाहजहांनाबाद, महक गार्डन के पास सहित पुराने शहर के कई इलाकों में सड़कें लबालब हो गई थीं।

प्रतिज्ञा की कला देख आत्ममुग्ध हुए कला प्रेमी, पर्यावरणीय संस्कृति से ओत प्रोत हैं पेंटिंग्स

जबलपुर। पर्यावरण के विभिन्न स्वरूपों को केनवास पर सजाकर भारतीय संस्कृति के रंगों को भरकर जिस खूबसूरती के साथ प्रस्तुत किया है। जिसने भी देखा वह आत्ममुग्ध होकर बस देखता ही रहा। बेहद गहराई से संदेशों को संजोते हुए हर चित्र कुछ कह रहा था। युवा कलाकार प्रतिज्ञा सिंह पटेल के प्रेरणात्मक जीवंत चित्रण से प्रभावित होकर वेलकम होटल ने उनकी कुछ कलाकृतियां खरीदी और पेंटिंग संग्रह का प्रदर्शन शुक्रवार को होटल वेलकम के सभागार में किया गया। प्रदर्शित की गई पेंटिंग्स में मध्यप्रदेश की पर्यावरणीय संस्कृति की विविधता को सुंदर तरीके से मूर्तरूप दिया गया है। इस अवसर पर उपस्थित मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि रंग भी बोलते हैं।

अमर शहीद बीरबल ढालिया का 79वां शहीदी श्रद्धा पूर्वक मनाया जाएगा

भोपाल। स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहूति देने वाले भारत माता के वीर सपूत, युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत और देश के गौरव अमर शहीद बीरबल ढालिया का 79 वे बलिदान दिवस हेतु बैठक में जीनगर समाज के जिला अध्यक्ष अजय पवार और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि शहीद बीरबल जी के विभिन्न कार्यक्रम 30 जून से 6 जुलाई तक विभिन्न स्थानों पर छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक सामग्री, संगोष्टियां, शरबत वितरण, केरियर काउंसलिंग आदि कार्य सेवा सप्ताह के रूप में श्रद्धा पूर्वक मनाये जाएंगे शहीद बीरबल ढालिया जनकल्याण परिषद के अध्यक्ष अशोक सांकले प्रगति और महासचिव रमेश निर्वाण ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम 1 जुलाई को जीनगर समाज धर्मशाला लखेरा पूरा में प्रातः 10:30 बजे होगा जिसमें पुष्पांजलि सभा,कृतित्व स्मरण, और समाज के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक सामग्री वितरित की जाएगी7 जीनगर ज्योति राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक भगवान दास ढालिया ने सभी राष्ट्र भक्तों से अपने अपने निवास पर दीप प्रज्वलित करने का आव्हान किया बैठक में पृथ्वीराज चौहान प्रेम पवार, राजेश आसेरी, देवेंद्र चौहान,गजेंद्र पवार, राजकुमार सांखला,मनोहर पवार,सुरेश पवार,विकास चौहान,मुकेश पवार,राजेश बायड़, मनोज सांखला,राकेश ढालिया,संजय डाबी,विनोद आसेरी, मुरली डाबी, सोनू पंवार,सुनील सोनगरा, एवं जीनगर समाज भोपाल के समिति सदस्य आदि उपस्थित रहे।

जनसेवा ही हमारा परम कर्तव्य जनहित सर्वोपरि है: मंत्री कृष्णा गौर

वार्ड 60 में जनसंपर्क कर क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि जनसेवा ही हमारा परम कर्तव्य है और जनहित सर्वोपरि है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर शुक्रवार को गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्ड-60 में जनसंपर्क कर क्षेत्रवासियों से उनकी समस्याएं सुन कर समस्याओं का निराकरण कर रही थी। श्रीमती गौर ने कहा कि जन आकांक्षाओं के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए विकास कार्यों को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने प्रगति नगर में रहवासियों की नाली निर्माण की मांग को प्राथमिकता से करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने वार्ड-60 के अंतर्गत अवंतिका एवेन्यू सेक्टर-सी में जल निकासी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नाले की सफाई और मरम्मत कार्य के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

युगान्दर कॉलोनी में रहवासियों द्वारा कॉलोनी में पानी निकासी न होने की समस्या से अवगत कराए जाने पर, तत्काल प्रभाव से अधिकारियों को पुरानी सीवेज की समुचित सफाई के निर्देश दिए।वर्धमान ग्रीन वैली एक्सटेंशन एवं बीडीए कॉलोनी के रहवासियों से भेंट कर क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर चर्चा की। कॉलोनी के नगर निगम को हस्तांतरित होने के बावजूद आवश्यक विकास कार्यों में हो रही देर पर इसे जल्द कराने के लिए कहा। पार्षद श्री वी शक्ति राव, श्री सुरेंद्र धोटे, श्री शिवलाल मकोरिया, श्री विनोद चौकसे, श्री राकेश मालवीय, श्री मलखान सिंह, श्री नवीन गुर्जर, श्री रुपेश पाटिल, श्री गणेश राम नागर, श्री किशन बंजारे, श्री संजय शिवनानी सहित सैकड़ों की संख्या में रहवासी, अधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इटावा की घटना के विरोध में होगा विरोध प्रदर्शन

भोपाल। विगत दिनों उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में एक भागवताचार्य के साथ, केवल उनके पिछड़ा और यादव जाति से होने के कारण, की गई मारपीट एवं जबरन मुंडन की घटना समाज में व्याप्त जातिवादी मानसिकता को उजागर करती है। वर्ण व्यवस्था के अनुसार शूद्रों को किसी भी धार्मिक ग्रंथ को सुनने और पढ़ने का अधिकार नहीं है, और पिछड़ा वर्ग इसी वर्ण में आता है। मनुवादी सोच के चलते ही इटावा में इस प्रकार की घृणित घटना को अंजाम दिया गया। दलित पिछड़ा समाज संगठन ने निर्णय लिया है कि आगामी 3 जुलाई को भोपाल में मनुस्मृति को प्रतीकात्मक रूप से जलाकर विरोध दर्ज कराया जाएगा और मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। इस ज्ञापन में मांग की जाएगी कि मनुस्मृति के प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाया जाए और इससे प्रेरित होकर इस प्रकार की घटनाएं करने वालों पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने के लिए कड़ा कानून बनाया जाए। उक्त बातें संगठन के संस्थापक एवं आज़ाद समाज पार्टी (भीम आर्मी) के वरिष्ठ नेता मा. दामोदर सिंह यादव ने भोपाल में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। यादव ने कहा कि ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने का भी मनुवादी मानसिकता वालों ने विरोध किया। जब हमारी भीम आर्मी ने संघर्ष किया और सड़कों पर आंदोलन किया, तब जाकर कांग्रेस जागी और अब उपवास की नौटंकी कर रही है।

लापरवाही बरतने पर उपयंत्री निलंबित

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कटनी जिले की नगर परिषद बरही में पदस्थ उपयंत्री सुश्री अपेक्षा वर्मा को कार्य के प्रति लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया है। नगरीय प्रशासन आयुक्त ने पिछले दिनों जबलपुर में संभाग के नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक में योजनाओं और निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की थी। समीक्षा बैठक के दौरान उपयंत्री सुश्री वर्मा के क्षेत्र में निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने के प्रकरण सामने आये थे। जाँच के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने उनके निलंबन संबंधी आदेश शुक्रवार को जारी किये। निलंबन अवधि में सुश्री वर्मा का मुख्यालय संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास कार्यालय जबलपुर रहेगा।

मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के प्रतिनिधियों ने दिल्ली में कार्यशाला में की सहभागिता

भोपाल। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए, शुक्रवार को विश्वकर्मा भवन आईआईटी दिल्ली में एक दिवसीय कार्यशाला में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के प्रतिनिधि अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त संचालक डॉ. उत्तम सिंह चौहान ने अकादमी की कार्ययोजना, संचालित गतिविधियों, प्रगति प्रतिवेदन एवं प्रकाशित पुस्तकों की जानकारी प्रस्तुत की। ज्ञातव्य है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप भारतीय भाषाओं के समग्र और बहुविषयक विकास के लिए क्रियान्वयन एवं कार्ययोजना के लिए आवश्यक एवं महत्वपूर्ण अनुशंसा करने के लिए भारतीय भाषा समिति का गठन किया गया है। भारतीय भाषा समिति द्वारा मुख्य रूप से भारतीय भाषाओं के लिए एक समान वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली मंथन को लेकर यह कार्यशाला आयोजित की गई थी।

एम्स में कैंसर मरीजों को जल्द मिलेगी दो बड़ी सुविधाएं, गामा नाइफ यूनिट और पेट स्कैन होगा

अब तक देश में केवल चार संस्थानों में है या सुविधा

भोपाल। राजधानी स्थित एम्स लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार कर रहा है। इसी कड़ी में अब यहां आने वाले कैंसर मरीजों के लिए दो बड़ी सुविधा शुरू होने जा रही है। जिनमें से प्रमुख है गामा नाइफ यूनिट और पेट स्कैन जांच दोनों ही सुविधा जल्द शुरू हो सकती है। गामा नाइफ यूनिट में मस्तिष्क में पनप रहे कैंसर का त्वरित इलाज हो सकेगा। इस तकनीक से ब्रेन ट्यूमर, ब्रेन कैंसर, ट्राइजेमिनल न्यूरलजिया और एकोस्टिक न्यूरोमा जैसी बीमारियों का सटीक इलाज किया जा सकता है। वही पेट स्कैन शुरू होने से 20 हजार तक की महंगी जांच सरलता से हो पाएगी। बता दें कि पेट स्कैन जांच की सुविधा मप्र के किसी भी सरकारी अस्पताल में उपलब्ध नहीं है। जानकारी के लिए बता दें एम्स भोपाल में बन रही गामा नाइफ यूनिट की लागत लगभग 85 करोड रुपए आएगी। देश में अब तक सिर्फ चार संस्थानों में ही यह तकनीक है। गामा नाइफ से इन्फेक्शन रेडियस मात्र 0.01 फीसदी ही रह जाता है। यही नहीं इससे 0.1 एमएम के क्षेत्र में भी रेडिएशन दिया जा सकता है। इसमें ब्रेन की खून ले जाने वाली शिरा को छेड़े बिना सीधे ट्यूमर के डीएनए को नष्ट करता है। इस मशीन को इंस्टॉल करने के जरूरी बंकर अक्टूबर तक तैयार होंगे।

गामा नाइफ एक अत्याधुनिक तकनीक: एम्स के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने बताया कि गामा नाइफ एक अत्याधुनिक तकनीक है। केंद्र सरकार के उपक्रम हाइट्स द्वारा इसे खरीदा जा रहा है। बंकर का निर्माण भी सीपीडब्ल्यूडी कर रहा है। काम 50 फीसदी हो गया है। जानकारी के लिए बतादें कि गामा नाइफ के लिए रेडिएशन फ्री बंकर बनाने के लिए जिम्मेदारी सीपीडब्ल्यूडी को दी गई थी, लेकिन, काम की रफ्तार धीमी होने के कारण अब यह काम एचएलएल इंझफ्रोटेक सर्विसेस लिमिटेड (एचआईटीईएस) यानी हाइट्स को दिया गया है। एजेंसी बदलने से काम पिछड़ गया। फायदा

20 हजार में होती है पेट स्कैन की जांच : कैंसर के ज्यादातर मरीजों को पेट स्कैन की जांच करानी पड़ती है। यह जांच काफी महंगी होती है। यह जांच भोपाल में लगभग 18 से 20 हजार में निजी अस्पतालों में की जाती है। किसी भी सरकारी हॉस्पिटल सुविधा नहीं होने से मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एम्स भोपाल में जल्द ही यह जांच शुरू करने की तैयारी की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार पेट स्कैन शुरू करने की तैयारी अंतिम पड़ाव पर है।

लोक निर्माण विभाग हरियाली और जल संरक्षण पर चलाएगा व्यापक अभियान

भोपाल। लोक निर्माण विभाग अब निर्माण कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन की दिशा में प्रभावी प्रयास कर रहा है। विभाग द्वारा आगामी 1 जुलाई 2025 को ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत एक लाख पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह वृक्षारोपण कार्यक्रम स्कूलों में संचालित 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान से भी समन्वित रहेगा। विभाग ने अभियंताओं को वृक्षारोपण स्थलों की पहचान, पौधों की उपयुक्त प्रजातियों के चयन तथा जिम्मेदारियों के निर्धारण के निर्देश दिए हैं। विभाग ने हरियाली को संरक्षित करने के लिए पेड़ों के स्थानांतरण यानि ट्री-शिफ्टिंग की नीति को अपनी दर सूची एसओआर में शामिल किया है। इसके तहत निर्माण कार्यों के दौरान पेड़ों को काटने के बजाय सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। भोजपुरडूबंगरसिया मार्ग के 4 लेन चौड़ीकरण कार्य में 450 से अधिक पेड़ों को शिफ्ट किया जाएगा। अन्य निर्माण परियोजनाओं में भी इस नीति को अपनाया जा रहा है, जिससे हरियाली को संरक्षित रखा जा सके। जल संरक्षण की दिशा में विभाग द्वारा सड़क किनारे रिचार्ज बोर के निर्माण की योजना भी लागू की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य वर्षा जल को सीधे भूगर्भ में पहुंचाकर ग्राउंड वाटर रिचार्ज को बढ़ावा देना है। एलिवेटेड कॉरिडोर सहित सभी वर्तमान और निर्माणाधीन फ्लाईओवर एवं आरओबी में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अनिवार्य की गई है, जिससे वर्षा जल का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। विभाग द्वारा 'लोक कल्याण सरोवर' योजना के अंतर्गत जल संरक्षण को नई दिशा दी जा रही है। सड़क निर्माण में उपयोग की गई मिट्टी के खुदाई स्थलों को स्थायी जल संरचनाओं में बदला जा रहा है। इन सरोवरों को वैज्ञानिक तरीके से डिजाइन किया जा रहा है।

एल.वी.एस. ग्रुप ऑफ स्कूल में करियर इन डिफेंस सेमिनार का हुआ आयोजन

देश की सबसे विश्वसनीय संस्था भारतीय सेना है: कर्नल पारवानी

संत हिरदाराम नगर। परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद एवं परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी के कुशल मार्गदर्शन में लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ हायर सेकन्ड्री स्कूल में दिनांक 27 जुलाई 2025 को छात्र-छात्राओं हेतु सैन्य सेवा में रोजगार के अवसर के विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ जिसमें सेना से रिटायर कर्नल नारायण पारवानी जी ने अपना उद्बोधन दिया और छात्रों को देश की सेवा करने हेतु जागरूक किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था के संचालक और प्राचार्य ने पारवानी जी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। पारवानी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्र-छात्राओं को भारतीय सेना में भर्ती होना चाहिए चूंकि भारतीय सेना प्रतिष्ठित करियर विकल्प है जो देश सेवा और रोमांच का अवसर प्रदान करती है। उन्होंनें कहा कि इण्डिया टुडे द्वारा विश्वसनीय संस्था हेतु सर्वे करवाया गया तो 80 परसेंट लोगों को आर्मी को ही विश्वसनीय संस्था माना। उन्होंनें बताया भारतीय सेना में शामिल होने के लिए सी.डी.एस. और एन.डी.ए. परीक्षा के माध्यम से गुजरना पड़ता है

इसके अलावा सेना में अतिरिक्त तकनीकी प्रवेश योजना और चिकित्सा प्रवेश योजना विकल्प भी मौजूद हैं। उन्होंनें भारतीय सेना में शामिल होने के लिए छात्रों को आवश्यक योग्यताओं से भी अवगत करवाया।

पारवानी जी ने छात्राओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि भारतीय सेना में महिलाओं की भूमिका अब महत्वपूर्ण हो गई है। अब वे जल, थल और वायु सेना में विभिन्न लड़ाकू और गैर लड़ाकू भूमिका में अपनी सेवाएं दे रही हैं। उन्होंनें अग्निवीर योजना के बारे में भी बताया जिसमें महिलाओं को समान दर्जा दिया गया है। अलग-अलग उदाहरणों द्वारा छात्रों को भारतीय सेना में भर्ती होने के लिए उत्साहित किया। सेमिनार में छात्र-छात्राओं में काफी उत्साह दिखाई दिया जहां छात्र-छात्राएं अपने करियर को लेकर संशय में रहते हैं इस सेमिनार द्वारा उन्हें अपना करियर निर्धारण करने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में पारवानी जी का शॉल एवं श्रीफल देकर आभार प्रकट किया। विद्यालय के प्रांगण में लगभग 400 छात्र-छात्राओं ने सेमिनार का लाभ लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन कोमल टहिलयानी एवं आभार नवीन नामदेव ने किया।

बिजली बिलों को लेकर उपभोक्ताओं को लगा झटका, रहवासियों ने अधिकारियों को कराया अवगत

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर के उपभोक्ताओं को इस माह जो बिजली के बिल मिले हैं उससे हर उपभोक्ता हैरान हैं इसी समस्या को लेकर पार्षद एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक मारण के नेतृत्व में शामिल शिष्टमंडल जिसमें प्रवक्ता महेश गुरबानी, अशोक गोकलानी, आत्माराम सूर्यवंशी, राजकुमार धानुक, शम्मी गंगवानी, साहिल खान, पुनम यादव, जगदीश सांवले, दिलीप आडवानी सहित कई घरों की महिलाओं और रहवासियों ने विधुत मंडल के संबंधित अधिकारियों से मुलाकात की। पार्षद अशोक मारण ने संबंधित अधिकारियों को बताया कि यहां पर जो महिलाएं उपस्थित हैं वे सब गरीब परिवारों से हैं और घरों में काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण करती है इनके वर्तमान में आठ हजार रुपए से लेकर दस-दस हजार रुपए तक बिजली के बिल आए हैं साथ ही इस माह संत नगर के सभी घरों के लगभग बिजली के बिल बहुत ही अधिक आए जो समझ से परे है जबकि हम देखें की इस माह सात से आठ-आठ घंटे तक बिजली कटौती भी हुई हैं उसके बावजूद भी बिजली का बिल इतना अधिक आया है। अधिक बिजली के बिलों के कारण आम उपभोक्ता का बजट गड़बड़ा गया है गरीब उपभोक्ताओं के लिए इतना अधिक बिजली का बिल भरना कठिन है या तो इसका कारण यह हो सकता है कि समय पर रीडिंग नहीं ली गई है या उपभोक्ताओं को मनमाना बिजली का बिल भेजा गया है इसलिए सभी उपभोक्ताओं के बिजली के बिलों को संशोधन करके दिया जाए ताकि समय पर बिजली के बिल जमा हो सके अन्यथा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उपभोक्ताओं के साथ बिजली कार्यालय के सामने धरने पर बैठेगी जिसके लिए बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों को एक हफ्ते का समय दिया जा रहा है वे जल्द से जल्द उपभोक्ताओं के बिलों को सही करके दे?।

सांध्यप्रकाश विशेष

राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान से लंबित मुकदमों को कम करने का प्रयास

त्वरित टिप्पणी
जी. के. छिब्बर

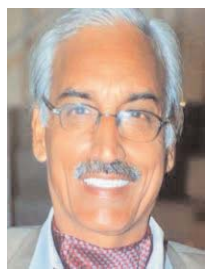

मुख्य न्यायाधीश की परिकल्पना

हमारे देश में पांच करोड़ से अधिक मुकदमे लंबित है जिसमें उच्च न्यायालयो में 60 लाख से अधिका है और सुप्रीम कोर्ट में भी 80 हजार की संख्या है मुख्य न्यायाधीश न्यायामूर्ति बी आर गवाई चिंतित है कि किस तरह बढ़ते मुकदमे कम किए जाए इसलिए उनकी परिकल्पना है कि मिडिएशन फॉर द नेशन अभियान प्रारम्भ किया जाए जिसमें 90 दिवस के अंदर मध्यस्थता से लंबित मुकदमों को सौहाद्रपूर्ण वातावरण से निराकरण कर लिया है। राष्ट के लिए मध्यस्थता का यह अभियान 1 जूलाई से प्रारंभ किया जाएगा ओर 30 सितम्बर तक सभी स्तर पर चलेगा जिसमें परिवारिक मुकदमे, मोटर वाहन दुर्घटना मुआवजे, चेक अनादरण विवाद, व्यापारिक विवाद, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली विवाद, संपत्ति बेदखली विवाद, भूमि अधिग्रहण के मामले, श्रम ओर से सेवा के प्रकरण आदि दीवानी मुकदमों की प्रथामिकता रहेगी।अभियान का लक्ष्य सिर्फ लंबित मुकदमों का निराकरण करना ही नहीं बल्कि मध्यस्थता को एक सुलभ भरोसेमंद और रिश्ता को बचाने उपाय का प्रचार करना भी हैं।

वैसे वर्ष में 2 बार वृहत लोक अदालत भी लग रही है परन्तु मुकदमों की बढ़ती गति चिंतनीय है भारत के मुख्य न्यायाधीश की यह परिकल्पना कितनी प्रभावी होगी यह देखना होगा लेकिन राष्ट के लिए मध्यस्थता का अभियान सराहनीय है इसकी सफलता की आशा की जाती चाहिए।

भविष्य की विद्युत जरूरतों को लेकर अरुणाचल प्रदेश से 252 मेगावाट बिजली लेने का समझौता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में अनुबंध पर हुए हस्ताक्षर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में शुक्रवार को केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आवंटित 252 मेगावाट विद्युत क्रय अनुबंध पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी (एमपीपीसीएल) और एनएचपीसी के मध्य हस्ताक्षर हुए और एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। अनुबंध के आधार पर एनएचपीसी की अरुणाचल प्रदेश के लोअर दि बांग वैली जिले में स्थित बहुउद्देशीय जल विद्युत परियोजना से मध्यप्रदेश को केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आवंटित 252 मेगावाट विद्युत मिलेगी।

विद्युत क्रय अनुबंध (पीपीए) पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक राकेश ठुकराल और एनएचपीसी के महाप्रबंधक ओंकार यादव ने हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अनुबंध को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भविष्य की मांग को देखते हुए पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के अलावा विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से भी विद्युत क्रय अनुबंध आवश्यक हैं। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। मध्यप्रदेश में घरेलू और औद्योगिक आवश्यकताओं के साथ ही कृषि क्षेत्र में

बिजली की खपत निरंतर बढ़ रही है। ऐसे में भविष्य की जरूरत का आकलन भी किया जा रहा है।

इस नाते आने वाले वर्षों में विद्युत की मांग में वृद्धि की संभावनाओं को देखते हुए अरुणाचल प्रदेश से विद्युत क्रय करने का निर्णय लिया गया। मध्यप्रदेश मेंऔद्योगिक एवं कृषि क्षेत्रों में विद्युत खपत में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। वर्तमान विद्युत मांग में वृद्धि के दृष्टिगत यह आकलन किया जा रहा है कि चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक मांग 20,000 मेगावाट हो सकती है। इस मांग में आने वाले वर्षों में लगातार बढ़ोत्तरी भी होगी।

कहां स्थित है बहुउद्देश्यीय जल विद्युत परियोजना

अरुणाचल प्रदेश में डिवांग नदी पर एक बड़ी बहुउद्देश्यीय जलविद्युत परियोजना विकसित की जा रही है। इस परियोजना का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके वित्तीय वर्ष 2031-32 तक पूर्ण होकर चालू होने की संभावना है।

अनुबंध से मध्यप्रदेश को मिलेगा लाभ

इस परियोजना से प्राप्त विद्युत रबी के महीनों में अधिकतम मांग की अवधि के दौरान 3 घंटे से अधिक और शेष समय में लगभग 9 से 19 घंटे तक की मांग को पूरा करने में सहायता करेगी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई, एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक श्री अविनाश लवानिया, एनएचडीसी के प्रबंध संचालक श्री राजीव जैन उपस्थित थे।

विंध्य क्षेत्र में हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए उप मुख्यमंत्री शुक्ल और एलायंस एयर के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से दिल्ली में एलायंस एयर के चेयरमैन श्री अमित कुमार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजर्षी सेन ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर विंध्य क्षेत्र सहित मध्यप्रदेश में हवाई सेवाओं के विस्तार एवं संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा, सतना और विंध्य क्षेत्र के महत्वपूर्ण नगरों में एयर कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में हवाई सेवाएं आमजन के लिए सुलभ और सस्ती बनाई जा रही हैं, और मध्यप्रदेश सरकार इस दिशा में हरसंभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एलायंस एयर को रीवा एवं विंध्य क्षेत्र की आर्थिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक विशेषताओं की जानकारी दी और कहा कि यहां एयर कनेक्टिविटी बढ़ने से पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं निवेश के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति होगी। बैठक में रीवा से महानगरों के लिए सीधी उड़ानों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन, प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की प्रार्थना की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने वाराणसी प्रवास के दौरान बाबा विश्वनाथ के दर्शन और विधिवत पूजन किया। उन्होंने बाबा से प्रदेशवासियों के कल्याण, समृद्धि तथा लोकमंगल की प्रार्थना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि काशी विश्वनाथ महादेव केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना का केंद्र हैं। काशी में आकर दिव्यता, भव्यता और अलौकिक अनुभूति होती है। प्रवास के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जगद्गुरु संतोष दास जी महाराज 'सतुआ बाबा' का आत्मीय सान्निध्य प्राप्त किया।

पटवारी पर बीजेपी का वार-सस्ती सियासत के लिए प्रदेश की साख गिराने का षडयंत्र कर रहे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश भाजपा के मीडिया प्रमुख आशीष अग्रवाल ने एक्स पर पोस्ट कर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर आरोपा लगाया है कि सस्ती सियासत के लिए प्रदेश की साख गिराने का षड्यंत्र कर रहे है। अग्रवाल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि 25 जून 2025 को कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा ङ्ग पर पोस्ट किया गया वीडियो जिसमें मारपीट और मानव मल खिलाने की झूठी कहानी गढ़ी गई – अब दोनों युवक स्वयं गजराज व रघुराज द्वारा शपथपत्र के माध्यम से इसे झूठा और प्रायोजित बताया है। उक्त दोनों युवकों ने खुलासा किया है, कि यह सब कांग्रेस

अध्यक्ष के कहने और लालच में किया गया था – मोटरसाइकिल और आर्थिक मदद का लालच देकर यह नाटक रचाया गया। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा गढ़ा गया पूरा प्रकरण एक पूर्वनियोजित आपराधिक साजिश है, जिसका उद्देश्य केवल अपनी राजनीति चमकाना और जनता को भ्रमित करना था। प्रदेश की छवि धूमिल कर अपनी छवि चमकाने के लिए षड्यंत्र रच रहे थे, कांग्रेस अध्यक्ष । प्राथमिक घटना के अवलोकन के पश्चात मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी दोषी पाए गए हैं। अशोकनगर पुलिस द्वारा उनके विरुद्ध सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास, अमानवीय आपराधिक षड्यंत्र, प्रदेश की छवि धूमिल करने एवं राजनैतिक आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। साथ ही इस अपराध में जीतू पटवारी को और किन लोगों का सहयोग प्राप्त हुआ, इसकी जांच जारी है

अटल पेंशन योजना के क्रियान्वयन में बालाघाट जिला देश में प्रथम

भोपाल। असंगठित क्षेत्र के कामगारों को वृद्ध अवस्था में आर्थिक संबल प्रदान करने वाली अटल पेंशन योजना के क्रियान्वयन में बालाघाट जिले ने देश में पहला तथा श्योपुर जिले ने तीसरा स्थान अर्जित किया है। उल्लेखनीय है कि सूची में 10 में से 3 जिले मध्यप्रदेश के हैं। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को 60 वर्ष की आयु के बाद एक निश्चित पेंशन राशि प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा अटल पेंशन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना में अधिक से अधिक असंगठित क्षेत्र के लोगों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में नए लोगो को जोड़ने और उनका पंजीयन कराने में बालाघाट जिला देश में प्रथम स्थान पर है। यह बालाघाट जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा की पहल पर जिले में बैंको द्वारा कृषि, महिला एवं बाल विकास, आजीविका मिशन एवं श्रम विभाग के साथ समन्वय कर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। देश में 01 मई 2025 से अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक लोगो को जोड़ने के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है, अभियान 15 जुलाई 2025 तक चलेगा। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा द्वारा इस अभियान के अंतर्गत जिले में 50 हजार लोगों को इस योजना से जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। इस विशेष अभियान में 27 जून 2025 तक 10 हजार 925 असंगठित क्षेत्र के कामगारों एवं लोगो को इस योजना से जोड़ा जा चुका है, जो देश के सभी जिलों में सबसे अधिक है।

केंद्रीय एजेंसी द्वारा बालाघाट जिले को 2992 लोगों को जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य के विरूद्ध 10 हजार 925 लोगों को जोड़कर 365 प्रतिशत उपलब्धि के साथ बालाघाट जिला देश में प्रथम स्थान पर है। द्वितीय स्थान पर कर्नाटक का कोलार, तृतीय स्थान पर मध्यप्रदेश का श्योपुर, चतुर्थ स्थान पर कर्नाटक का चिकबल्लापुर, पंचम स्थान पर उत्तरप्रदेश का बाराबंकी,छठवें स्थान पर पश्चित बंगाल का माल्दा, सातवें स्थान पर उत्तरप्रदेश का महाराजगंज, आठवें स्थान पर मध्यप्रदेश का उज्जैन व नौवें स्थान पर अलीराजपुर तथा दसवें स्थान पर पश्चित बंगाल का मुर्शिदाबाद जिला है। अटल पेंशन योजना से जुड़ने में बालाघाट जिले में पुरूषों की तुलना में महिलाओं ने अधिक रूचि दिखाई है। बालाघाट जिला 1000 पुरुषों पर 1021 महिलाओं के साथ लिंगानुपात में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। योजना के इस अभियान के अंतर्गत जिले में 9604 महिलाओं, 1320पुरूषों एवं 01 ट्रॉसजेंण्डर ने अपना पंजीयन कराया है। इस प्रकार अटल पेंशन योजना के अंतर्गत जिले में पंजीकृत कुल लोगों की संख्या 01 लाख 05 हजार 477 हो गई है। जिसमें 61 हजार 509 महिला?, 43 हजार 953 पुरूष और 15 ट्रॉसजेण्डर शामिल है। इस योजना में पंजीकृत महिलाओं की संख्या बता रही है कि बालाघाट जिले में महिला सशक्तिकरण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है और महिलाओं में अपने बेहतर भविष्य के प्रति जागरूकता आ रही है।

आमजनों के प्रति संवेदनशील है ऊर्जा महकमा: मंत्री प्रद्युम्न सिंह

भोपाल । लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण की स्थिति के आधार पर जारी ग्रेडिंग में ऊर्जा विभाग लगातार प्रथम स्थान पर बना हुआ है। विभागों की जारी ग्रेडिंग में एक मई से 31 मई 2025 तक की स्थिति में शिकायतों के निराकरण में ऊर्जा विभाग नम्बर-1 है। जून 2023 से अगस्त 2024 तक भी ऊर्जा विभाग लगातार प्रथम स्थान पर रहा है। दूसरे नम्बर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी गत दिनों सीएम हेल्पालाइन के प्रकरणों के निराकरण में ऊर्जा विभाग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी थी। ऊर्जा विभाग की आमजनों के बीच लगातार संवेदनशील छवि बनी हुई है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विभागीय अधिकारियों द्वारा शिकायतों के निराकरण में तत्परता से की गई कार्यवाही पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि आशा ही नहीं पूरा विश्वास है कि अधिकारी आगे भी बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का इसी तरह से त्वरित निराकरण करते रहेंगे। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर ऊर्जा विभाग से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिये एल-1 अधिकारी के रूप में कनिष्ठ अभियंता/सहायक अभियंता, एल-2 अधिकारी के रूप में कार्यपालन अभियंता, एल-3 अधिकारी के रूप में अधीक्षण अभियंता एवं एल-4 अधिकारी के रूप में मुख्य अभियंता सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज हैं और उक्त सभी अधिकारियों द्वारा आमजन की शिकायतों का संवेदनापूर्वक निराकरण किया जाता है। प्रत्येक स्तर पर शिकायत के निराकरण के लिये 7 दिन का समय निर्धारित किया गया है। शिकायतों के निराकरण के बाद सीएम हेल्पलाइन कॉल-सेंटर द्वारा शिकायतकर्ता से दूरभाष पर निराकरण के संबंध में संतोषजनक जवाब प्राप्त करने के बाद ही शिकायतों को बंद किया जाता है। गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा नागरिकों को दी जा रही विभिन्न सेवाओं के संबंध में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की पुख्ता व्यवस्था के लिये लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल का निर्माण वर्ष 2014 में किया गया है। इस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को विभाग के संबंधित अधिकारियों को अग्रेषित किया जाता है।

नेशनल को-ऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमि. के साथ सहकारी संघ एवं मंडी बोर्ड के बीच हुआ एमओयू

मंत्री विश्वास सारंग और एंदल सिंह कंषाना की उपस्थिति में हुई राज्य स्तरीय कार्यशाला

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सहकारी आंदोलन को मजबूत करने और इसके माध्यम से किसानों को उनकी फसल का और अधिक लाभ उपलब्ध कराने की मंशा से राष्टीय स्तर पर को-ऑपरेटिव सेक्टर में निर्यात की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए नेशनल को-ऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (एनसीईएल) का गठन किया। इसके माध्यम से किसानों को उनके उत्पाद में अधिक से अधिक लाभ मिल सकेगा। मंत्री श्री सारंग प्रदेश के विभिन्न उत्पादों विशेष रूप से मसालों एवं हैंडीक्राफ्ट उत्पादों के एक्सपोर्ट को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मसालों के निर्यात को संस्थागत रूप से बढ़ावा देने के लिए नेशनल एक्सपोर्ट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के साथ मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ और कृषि मंडी बोर्ड के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गये।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि एनसीईएल के साथ राज्य संघ और मंडी बोर्ड का एमओयू मध्यप्रदेश के किसानों के लिए एक नया प्लेटफार्म उपलब्ध कराएगा। इसके माध्यम से किसान अपने उत्पाद का निर्यात कर सकेंगे। अब किसानों के उत्पादों को उचित दाम तो मिलेगा ही साथ ही सहकारिता आंदोलन को मजबूती मिलेगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश की 1578 सोसाइटियों ने एनसीईएल की मेंबरशिप ली है। इससे किसानों के

उत्पाद निर्यात होंगे। मध्यप्रदेश किसानों के उत्पाद के लिए भी दुनिया में निर्यातक बनने का कीर्तिमान स्थापित करेगा और मध्यप्रदेश देश में नंबर एक होगा। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एंदल सिंह कंषाना ने सहकारिता को कृषि का महत्वपूर्ण अंग बताया है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ही लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। हिंदुस्तान कृषि प्रधान देश है और मध्यप्रदेश देश में कृषि क्षेत्र में अग्रणी है। मध्य प्रदेश को सात बार कृषि कृर्मण अवार्ड भी मिला है। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णबाल ने कहा कि एमओयू के जरिये किसानों के उत्पाद को डिमांड के अनुसार पहुंचाने पर सही दाम मिल सकेगा। देश पहले उत्पादों का आयात करता था, अब निर्यात के जरिए इंटरनेशनल मार्केट तक उत्पाद पहुंचाकर सही दाम प्राप्त कर सकेगा। मध्यप्रदेश की धान, मसाले, धनिया, मिर्ची, केले आदि का काफी निर्यात होता है, अब किसानों को इसका सीधा लाभ मिल सकेगा। एनसीईएल के एमडी श्री अनुपम कौशिक ने कहा कि मध्यप्रदेश के विशिष्ट उत्पादों और किसानों को अब सीधे अंतर्राष्टीय बाजारों से जोड़ेंगे, जिसके जरिए उनकी आय में वृद्धि होगी। सहकारिता से समृद्धि और निर्यात से उन्नति की दिशा में हम प्रयासरत है। मध्यप्रदेश सरकार एवं उनके विभिन्न विभाग के सहयोग और समर्थन से हम आगे बढ़ेंगे।

अंतर्राष्टीय सहकारिता वर्ष समारोह के अंतर्गत यह आयोजन एनसीईएल और मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यशाला में 'मध्यप्रदेश के किसानों को निर्यात के लिये सक्षम बनाना' विषयक संयुक्त उत्पाद संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। कार्यशाला में प्रदेश भर से लघु एवं मध्यम स्तर के मिर्च, धनिया, लहसुन आदि मसाला उत्पादक किसान, हस्तशिल्प निर्माता, सहकारी समितियाँ, एफपीओ तथा अन्य उत्पादक समूह ने भाग लिया। विशेषज्ञों द्वारा निर्यात प्रक्रिया, अंतर्राष्टीय गुणवत्ता मानकों, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बाजार उपलब्धता जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए गये। कार्यशाला में प्रबंध संचालक विपणन संघ आलोक कुमार सिंह, प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड कुमार पुरूषोत्तम सहित सहकारिता एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सरपंचों ने 292 कुपोषित बच्चों को पोषित करने की जिम्मेदारी ली

भोपाल। ग्वालियर को कुपोषण मुक्त बनाने के लिये 2 विकासखण्डों के सरपंचों ने 292 बच्चों को गोद लेकर कुपोषण से मुक्त करने का संकल्प लिया है। ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा नवाचार के रूप में नई पहल सरपंच संवाद कार्यक्रम प्रारंभ की गयी है। ग्वालियर जिले के 2 ब्लॉक घाटीगाँव और भितरगाँव में सरपंचों ने कुपोषण से मुक्ति के लिये 292 बच्चों को गोद लिया। कार्यक्रम में 15 अगस्त तक जिले को कुपोषण से मुक्ति दिलाने का संकल्प भी लिया गया। कलेक्टर श्रीमती चौहान की पहल पर जल गंगा संवर्धन अभियान में मनरेगा एवं ग्रामीणों के सहयोग से एक ही दिन में बड़ी संख्या में खेत-तालाब का निर्माण कर एक मिसाल कायम की है। ग्वालियर जिले की 263 ग्राम पंचायतों में 25 जून को 263 खेत-तालाब निर्माण एवं जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का कार्य किया गया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जल गंगा संवर्धन अभियान एवं सरपंच संवाद कार्यक्रम में सरपंचों को अपनी ग्राम पंचायत में खेतों की मेड़ पर पेड़ लगाने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जो सरपंच वृहद स्तर पर पौध-रोपण करायेंगे, उन्हें 15 अगस्त पर सम्मानित किया जायेगा। कलेक्टर ने हर ग्राम पंचायत में राम वन'' अर्थात मियांबाकी पद्धति से समूह में पौधे रोपने के लिये सरपंचों से आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में बने आवासों और शासकीय भवनों में भी पौध-रोपण किया जाये। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जो सरपंच अपनी पंचायत में सर्वाधिक खेत-तालाब बनवायेंगे, उन्हें सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सभी सरपंच स्थल चयन कर शीघ्र खेत-तालाब बनवायें।

संपादकीय

शुभांशु का अंतरिक्ष में शुभ सफर

अंतरिक्ष में छलांग लगा कर एक और इतिहास रचा गया है। भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचे हैं। अलबत्ता तत्कालीन विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष में मानव जीवन की संभावनाओं को टटोलने की एक अद्भुत और दुर्लभ यात्रा पर हैं। करीब 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जा पाया है। भारत माता के ऐसे 'लाल' को बधाई और ढेरों शुभकामनाएं। शुभांशु भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन हैं और लड़ाकू विमान उड़ा चुके हैं। उन्हें 2000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। अंतरिक्ष मिशन में भी वह पायलट की भूमिका में हैं। आसमान में विचरण करना उनका पेशा है, लेकिन इस बार उन्होंने आईएसएस में 14 दिन बिताने का बीड़ा उठाया है। यह प्रथम अवसर है, जब भारत सरकार की कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर, तालियां बजाकर, शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा का स्वागत किया है, शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें 140 करोड़ (असल आबादी 146 करोड़ से अधिक) भारतीयों की 'उम्मीद' करार दिया है। जब राकेश शर्मा अप्रैल, 1984 में अंतरिक्ष में गए थे, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनसे पूछा था-ऊपर से भारत कैसा दिखता है? राकेश का जवाब था-'सारे जहां से अच्छा।' इस बार शुभांशु ने भारतीयों के नाम पहला ऑडियो संदेश भेजा-'क्या अद्भुत सफर है! हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। यह भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन की शुरुआत है। आप सभी इस सफर का हिस्सा बनें। आपका सीना भी गर्व से चौड़ा होना चाहिए (जय हिन्द, जय भारत।' मानव अंतरिक्ष मिशन में शुभांशु की इस यात्रा का अनुभव महत्वपूर्ण रहेगा। चूंकि 2030 तक आईएसएस सेवानिवृत्त होना लगभग तय है, लिहाजा निजी कंपनियां अपने अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने में जुटी हैं। अमरीका की पैगी व्हिटसन अंतरिक्ष में 665 दिन गुजार चुकी हैं, लिहाजा उन्हें मिशन कमांडर बनाया गया है। यह मिशन आईएसएस में कुल 60 वैज्ञानिक प्रयोग करेगा। उनमें से 7 प्रयोग भारत के लिए किए जाएंगे। उन प्रयोगों में प्रमुख हैं-मांसपेशियों की हानि का अध्ययन, मूंग और मेथी जैसे भारतीय सुपर फूड को माइक्रोग्रैविटी में उगाने का प्रयोग, माइक्रोएल्गी (सूक्ष्म शैवाल) की तीन प्रजातियों की वृद्धि, चयापचय और आनुवंशिक गतिविधियों का अध्ययन, अंतरिक्ष में सूक्ष्मजीवी के व्यवहार और वृद्धि का अध्ययन, अंतरिक्ष में कम्प्यूटर स्क्रीन के उपयोग के शारीरिक और संज्ञानात्मक प्रभावों का अध्ययन और मानव कोशिकाओं की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया का अध्ययन। अंतरिक्ष यात्रा के मानव शरीर पर कई असर पड़ते हैं, क्योंकि वहां ग्रैविटी नहीं है। हृदय, पीठ के लिगामेंट्स, खड़े रहने या चलने में असमर्थता, हड्डियों और मांसपेशियों आदि पर प्रभाव पड़ते हैं, लिहाजा अंतरिक्ष में योग और व्यायाम अनिवार्य हैं। आईएसएस में ग्लूकोज और इंसुलिन पर भी विशेष अध्ययन किया जाएगा, जो भविष्य में मधुमेह के इलाज की दिशा बदल सकता है।

माँ नर्मदा भक्त से मंत्री तक का सफर

जन्मदिन पर विशेष

हाकम सिंह गुर्जर

लेखक सांध्यप्रकाश भोपाल के स्थानीय संपादक है

नरसिंहपुर विधानसभा से विधायक एवं मध्यप्रदेश सरकार में पंचायत ग्रामीण एवं श्रम केबिनेट मंत्री मप्र के वरिष्ठ नेताओं में से एक प्रहलाद सिंह पटेल का जन्म आज ही के दिन, यानी 28 जून 1960 को गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर (मध्य प्रदेश) में हुआ था। पटेल आज 64 साल के हो गए हैं। मध्य प्रदेश में उन्हें पिछड़े वर्ग का बड़ा नेता माना जाता है।

कहा जाता है कि पटेल का राजनीति में आना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। कभी राज्य प्रशासनिक सेवा की परीक्षा पास करने वाले प्रहलाद पटेल के पास डीएसपी बनने का मौका था। लेकिन उन्होंने ऐसो आराम की नौकरी छोड़ राजनीति में आने का फैसला किया।

पटेल ने वकालत की पढ़ाई की है और इसी दौरान उन्होंने राज्य प्रशासनिक सेवा पास की थी। अगर वे चाहते तो उस वक्त डीएसपी के पद पर तैनात हो सकते थे और ऐसो आराम की जिंदगी जी सकते थे। हालांकि

आज उनकी जिंदगी कुछ वैसी ही है। लेकिन जरा सोचिए जिस समय वो राजनीति में आए भी नहीं थे और उन्होंने डीएसपी का पद ठुकरा दिया था तब उनकी क्या स्थिति रही होगी।

हालांकि आज उन्हें बुंदेलखंड के अलावा समूचे मध्यप्रदेश का बड़ा नेता माना जाता है। साथ ही वे एक कुशल वक्त हैं और स्थानीय एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर गहरी पकड़ रखते हैं। पटेल ने अपने राजनीतिक जीवन में कई उतार चढ़ाव देखे हैं। पटेल लोकसभा में एक अनुभवी राजनेता हैं। पहली बार वे 1989 में लोकसभा के सदस्य चुने गए थे। पांच बार सांसद और दो बार केन्द्रीय मंत्रीमंडल में मंत्री बनने के बाद पहली बार विधायक बने है और मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री है।

पटेल अपने छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय हो गये थे। साल 1980 वे जबलपुर विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष चुने गए थे। इसके बाद उन्होंने राजनीति में कभी पलट कर नहीं देखा और लगातार आगे बढ़ते गए। पटेल भाजपा की युवा शाखा 'भारतीय जनता युवा मोर्चा' के प्रदेश में कई अहम पदों पर भी रहे हैं। मूलरूप से नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव के रहने

वाले प्रहलाद पटेल 1989 में पहली बार में ही लोकसभा सांसद चुन लिए गए थे। इसके बाद 1996 में दूसरी बार और 1999 में तीसरी बार लोकसभा के लिए चुने गए थे। इस दौरान वे लोकसभा के विभिन्न समितियों के सदस्य भी रहे। वे मप्र के इकलौते नेता हैं जिन्होंने चार लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ा है। पांच बार के सांसद प्रहलाद पटेल ने सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा और दमोह से लोकसभा का चुनाव लड़ा है।

लेकिन उनके राजनीतिक सफर में एकदम से उछाल आया साल 2003 में जब उन्हें अटल सरकार में कोयला राज्य मंत्री बनाया गया। इसके अलावा उमा भारती प्रकरण के बाद वे जैसे ही बीजेपी में वापस आए उन्हें कई और जिम्मेदारियां दी गई। उन्हें भारतीय जनता मजदूर महासंघ का राष्ट्रीय अध्यक्ष और भारतीय जनता मजदूर मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया।

एक समय था जब वो साधु-संतों की तरह दाढ़ी और वेषभूषा रखते थे। वे श्री श्री बाबा श्री के भक्त हैं। उनके निर्देश पर उन्होंने दूसरी बार साल 2005 के फरवरी माह में नरसिंहपुर के गोटेगांव के पास मुआर घाट से मां नर्मदा परिक्रमा शुरू की थी। इस सफर में उनकी पत्नी भी साथ थीं। वे धुन के

इतने धनी हैं कि गर्मी के मौसम में भी नर्मदा की परिक्रमा को अनवरत जारी रखी। 3,500 किलोमीटर की ये यात्रा पूरी करने में उन्हें 3 माह 11 दिन का वक्त लगा। इससे पहले वे 1994-96 में भी नर्मदा की पैदल परिक्रमा कर चुके हैं। इन सबसे पहले साल 1997 में जब जबलपुर में भूकंप आया था तब भी वो और उनकी टीम ने जो राहत कार्य चलाया था उसकी चर्चा अब भी होती है। इस दौरान उन्होंने कहा था- सेवा अहसान नहीं होती। उनकी टीम ने कोसम घाट को एक तरह से गोद लिया और पूरे गांव का फिर से निर्माण करवाया। इसके बाद प्रहलाद पटेल ने 1999 के उत्तराखंड चमोली के भीषण भूकंप में भी पीड़ितों की सहायता के लिए कार सेवा की थी। इसके अलावा बालासागर के विस्थापितों के लिए वो उनके भाई जालम सिंह पटेल की टीम ने डेढ़ सौ से ज्यादा अस्थाई घरों का निर्माण करवाया। प्रहलाद पटेल की जीवन का एक पक्ष गौ सेवा भी है। उन्होंने 17 सितंबर 2016 को जरारूधाम गौ अभयारण्य का निर्माण किया। इस अभयारण्य में बीमार, अपंग और दूध न देने वाली सैकड़ों गायों का संरक्षण किया जा रहा है। इसको चलाने का पूरा खर्च वे और उनके सहयोगी खुद वहन करते हैं।

पटेल उन गिने चुने राजनेताओं में से हैं जिन्होने नर्मदा परिक्रमा की है। नर्मदा नदी के दोनों किनारों पर लगभग 3300 किलोमीटर की यह पैदल परिक्रमा नर्मदा भक्तों में पवित्र मानी जाती है। पटले ने इस परिक्रमा को किया है। वे विशुद्ध शाकाहरी हैं तथा हिंदुत्व की राह पर चलने वाले नेता हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान

पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के सामने प्रदेश के जल स्त्रोतों के संवर्धन और संरक्षण के लिए शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान चुनौती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायतों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए उन्होंने मोर्चा संभाल लिया है और आए दिन प्रदेश के किसी न किसी गांव-कस्बे में श्रमदान करते देखे जा रहे हैं। उनका कहना है कि हमारा प्रदेश नदियों की जन्मस्थली है और इनका संरक्षण हमारे साथ आने वाली पीढ़ियों की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने आह्वान किया कि छोटी नदियों और उनके जल स्त्रोतों को बचाने पर ध्यान दें। नदियों के उद्गम स्थलों को संरक्षित करें, तटों पर पौधे लगाएं और वृक्ष बनने तक उनकी देखरेख करें। राज्य सरकार पंचायतों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सभी ग्राम पंचायतों को अपने विकास की योजना स्वयं बनानी चाहिए। इसके लिए सरकार उनके साथ खड़ी है और विकास हेतु आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है। पंचायतों को अब सशक्त और अधिकार-संपन्न बनाया जा रहा है। सरपंचों को 25 लाख रुपये तक के वित्तीय अधिकार दिए गए हैं।

कहीं दिखे तो बताइयेगा

श्रीकांत आप्टे

रोज रात दादी की ड्यूटी थी घर भर के बच्चों को कहानियां सुनाना। बिना दादी से कहानी सुने नींद नहीं आती थी। कहानी राजा की हो या रंक की कहानी का अंत एक ही वाक्य से होता था , विजय अंत में सत्य की होती है। इन्हीं कहानियों में सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र की कहानी भी होती थी। कहानी में हरिश्चंद्र के राजपाट और ठाठ-बाट से ज्यादा होता था कि कैसे किस्मत ने धोबीपाट लगाकर राजा से उसका राज, रानी , पुत्र सब कुछ छीन लिया। मैं बीच में टुपक देता दादी ,मैं तो झूठवादी बनूंगा क्योंकि सत्यवादी होने में बहुत कष्ट हैं। दादी टोक देती बीच में बहुत टिपिर- टिपिर करता है। इस कहानी का अंत भी हमेशा की तरह वही होता कि अंत में राजा हरिश्चंद्र के सत्य की विजय हुई और उसे खोया हुआ सब कुछ वापस मिल गया।

आप ही बताइए भाईसाहब कि जीवन भर पिटने के बाद अगर अंत में सत्य मिलना हो तो ऐसा सत्य कौन चाहेगा ? सत्य सुना है कड़वा होता है । इसलिए यह अचार बनाने के काम का भी नहीं। कोई क्या करेगा ऐसे सत्य का ? तब मैं सोचता था कि ये जो भी सत्य भाईसाहब हैं ये कभी मिल जाएं तो उनका गिरेबान पकड़कर इनसे पूछूंगा जरूर कि बड़े भैया शुरू में ही जीतने में आखिर बुराई क्या है? जीतना ही है तो जीतने के लिए अंत तक क्यों रुके रहते हो? क्यों हमारे धैर्य की परीक्षा लेते हो ? क्या केवल इसलिए हमारा टाइम खराब करते हो क्योंकि हम हमेशा तुम्हें जीतते देखना चाहते हैं। सत्यजी, तुम्हें भगवान की सौगंध है सच-सच बताना पिछली बार तुम कब जीते थे। अब तो हमें भरोसा हो चला है कि आपके अंत में जीतने की बात कोरी अफवाह है। यह अफवाह उड़ाना बंद करो भैया क्योंकि हमें तुम कभी जीतते नज़र आए नहीं। लोग तुम्हें सत्य कहते हैं तो कम-से-कम अपने नाम की ही लाज रख लो और अंत में जीतने वाला झूठा प्रचार बंद कर दो।

वो आपका वाला सत्य अब उड़नछू हो गया है। शायद सरकार और पुलिस से डरकर फरार हो गया है। अंग्रेजी और देशी पुलिस में यह गज़ब की समानता है कि सत्य तब भी पुलिस से डरता था और सत्य आज भी पुलिस से डरता है। पुलिस से डरकर सत्य मैदान ही छोड़ गया है। पूरे मैदान पर असत्य ने एनक्रोचमेंट कर लिया है।हो सकता है सत्य कालाधन लेकर विदेश भागने वालों की अटैची में छुपकर भाग गया हो।

क्या करें ? गुमशुदा की तलाश का विज्ञापन अखबारों में छपवाया जाए क्या ? पर उसके लिए फोटो होना शक्ल की। कौन सी वाली शक्ल की ? आजादी के बाद सत्य ने इतने रूप धारण किए कि सही रूप कौन सा यह तय करना ही कठिन है। इतनी शक्लें बदलीं कि सत्य खुद ही सत्य के सामने पड जाए तो खुद को ही पहचानने से इंकार कर दे। कद-काठी की जानकारी भी देना होगी। काठी तो पुलिस की नाप के बता देंगे । कद कैसे बताएंगे ?।अखबार वालों को बताना होगा।

जो लोग यह शिकायत करते हैं कि देश में सत्य की खोज के लिए उपयुक्त वातावरण नहीं है , वे प्लीज़ इस ओर ध्यान दें कि हमारी तमाम जांच एजेंसियां और जांच कमीशन वर्षों से सत्य की खोज में लगे हुए हैं।आजादी के बाद से सत्य के लिए ढूंढो , ढूंढो रे साजना चल रहा है। जिससे कहो वही कह देता है कि हम क्या फालतू बैठे नज़र आ रहे हैं आपको। हमारे पास टाइम नहीं है। इसलिए साजना तुम ही ढूंढ लो सत्य को। झूठे प्रोजेक्ट , झूठे बजट , झूठे आंकड़ों , झूठे बिलों का इतना ऊंचा पहाड़ है कि जांच कमीशन और एजेंसियां उस पहाड़ के नीचे दब गई हैं। फिर भी बदस्तूर लगी रहती हैं सत्य की खोज में। मिल जाएगा तो सरकार को रिपोर्ट दे देंगे। सालों तक रिपोर्ट आती नहीं। आ जाए तो सरकार बताती नहीं कि रिपोर्ट की सच्चाई बताना राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में नहीं है। लो जी सत्य मिलकर भी नहीं मिला।जनता लगे रहो मुन्नाभाई कहने के अलावा और कर भी क्या सकती है। एकाध रिपोर्ट जारी भी हो जाए तो विपक्ष हल्ला करने लगता है कि सत्य के नाम पर जनता को झूठ बताया जा रहा है। धोखाधड़ी कर रही है सरकार। फिर भी भाईसाहब, देश में आपको भूलेभटके इत्तू सा भी सत्य कहीं दिख जाए तो बताईगा जरूर सैंपल मिल जाए तो हमारे पते पर कोरियर कर दीजिएगा। हम भी तो देखें कि सुसरा सत्य दिखता कैसा है। सत्य की खबर देते हुए या सैंपल भेजते हुए पूरी सावधानी बरतिएगा। आप अपने वाले हैं इसीलिए पेशगी बता दिया। आपका इत्तू सा भी सत्य, सरकार ने झूठ के जो बड़े-बड़े पहाड़ खड़े किये हैं उन में से किसी भी पहाड़ के झूठ की पोल खोलने वाला हो सकता है। आप से तो कह ही सकते हैं क्योंकि आप तो बहादुर हैं। इसीलिए निवेदन है नहीं, नहीं विनम्र निवेदन है कि कहीं भी, देश के किसी भी कोने में सत्य आपको दिख जाए तो बताईगा जरूर।

गगनयान मिशन के लिए यह निर्णायक उड़ान

सरयूसुत मिश्रा

नामकरण के समय किसने सोचा होगा, कि लखनऊ के सुभांशु शुक्ला अपने नाम के अर्थ को सही साबित कर देंगे. सुभांशु का मतलब बारिश की पहली बूंद या ब्राइट चांद होता है..!!

यह संस्कृत मूल का एक सुंदर नाम है, जिसमें शुभ और अंशु (सूर्य की किरणों) का संयोजन है. यह नाम चमक और सौभाग्य का संदेश देता है. इससे शुभता और प्रकाश की प्रेरणा मिलती है. शुक्ला की यह उड़ान, अंतरिक्ष में भारत के गगनयान मिशन को परिभाषित करेगा. यह उड़ान इस दिशा में निर्णायक साबित होगी. उनके प्रयोग और अनुभवों का उपयोग कर भारत का मानव युक्त गगनयान मिशन अपनी तय समय सीमा में लॉन्च हो सकता है.

अंतरिक्ष में भारत की सुप्रीमेसी यह भरोसा दे रही है, कि एक दिन भारतीय धरती से भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन तक उड़ान भरने में हम सफल होंगे. 41 साल पहले भारत के राकेश शर्मा ने रूस के साथ मिलकर अंतरिक्ष यात्रा की थी, लेकिन इसके बाद भारत का मानव युक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम तो नहीं शुरू हुआ, लेकिन देश की महत्वाकांक्षा और राजनीतिक इच्छा शक्ति का दबाव अब गगनयान मिशन को सफल बनाएगा.

सुभांशु शुक्ला जो प्रयोग अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र में करेंगे, उनके अनुभव और सीख का पूरा लाभ भारतीय वैज्ञानिक उठाएंगे. भारत के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है. शुभांशु शुक्ला केवल एक यात्री के रूप में नहीं गए हैं, बल्कि वह इस मिशन के पायलट के रूप में गए हैं. ग्रुप कैप्टन सुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे और आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया है.

वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर सकुशल पहुंच गए हैं. 14 दिन तक वहां रहेंगे. उन्होंने अपने पहले संदेश में कहा है, कि वह अपने साथ भारत का राष्ट्रीय ध्वज लेकर आए हैं, जो उन्हें हर भारतीय के साथ जोड़कर रखता है. पिछले 41 सालों में दुनिया बदल गई है और साथ ही भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा भी बढ़ गई है. इस बार की उड़ान एक अलग लहर पर सवार है, जो वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्रांति और एक स्वदेशी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के निर्माण से प्रेरित है. शुक्ला ने एक निजी अमेरिकी अंतरिक्ष यान पर उड़ान भरी है, लेकिन यह भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान के युग की शुरुआत का प्रतीक हो सकती है.

उनके साथ एक अमेरिकी, एक पोलिस और एक हंगेरियन यात्री शामिल हैं. शुक्ला की उड़ान भारत की क्षमता का प्रदर्शन है. पहले मानव युक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए ना तो बुनियादी ढांचा था और ना ही राजनीतिक इच्छा शक्ति. राकेश शर्मा के समय उनकी उड़ान एक अकेली चिंगारी थी. लेकिन आज जब देश में एक मजबूत अंतरिक्ष नीति लागू है, तब यह उपलब्धि क्रांतिकारी साबित हो सकती है.

मानव युक्त भारतीय गगनयान मिशन की तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है. इस परियोजना में स्वदेशी क्रू मॉडल इसके सिस्टम और विश्वसनीय रॉकेट शामिल बताए जाते हैं. इस बीच शुक्ला की यह उड़ान इसरो के लिए डेटा एकत्र करने का अवसर है. यह सब गगनयान के अंतिम चरणों में सीधे काम आएंगे.

गगनयान से पहले एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को भेजकर भारत ने खुद को एक अंतरिक्ष यात्री राष्ट्र के रूप में स्थापित कर दिया. है भारत अंतरिक्ष में महाशक्तियों की प्रतिद्वंदता के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है. पृथ्वी की निचली कक्षा में सैन्यीकरण और व्यावसायिक रूप से भीड़-भाड़ बढ़ती जा रही है.

चीन का अंतरिक्ष स्टेशन चालू हो चुका है. रूस और नासा आईएसएस पर असहज साझेदार बने हुए हैं. अमेरिका ऑटो मिस कार्यक्रम को गति दे रहा है जिसमें चंद्रमा रणनीतिक उच्च भूमि है. भारत चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर चंद्रयानभेज कर महाशक्तियों को बड़ा संदेश दे चुका है. अमेरिका द्वारा भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अपने साथ जोड़ना विश्वास का संकेत है. इसे अंतरिक्ष में चीन के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ़ बचाव के रूप में भी देखा जा सकता है.

अब दुनिया यह मान चुकी है कि भारत 21वीं सदी की महान अंतरिक्ष दौड़ में केवल दर्शक नहीं बल्कि एक गंभीर खिलाड़ी बनने के लिए तैयार है. सुभांशु शुक्ला की उड़ान देश के युवाओं को प्रेरित करेगी. उनके मिशन को स्मार्टफोन पर लाइव ट्रैक किया जा सकेगा. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सब कुछ उपलब्ध रहेगी. यह मिशन भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और सपने देखने वालों की एक नई पीढ़ी के लिए उत्प्रेरक बन सकता है.

ड्रोन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी भारत सुपरपावर देशों की बराबरी पर पहुंच रहा है. ऑपरेशन सिंदूर की सक्सेस के बाद देश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग को नई गति मिलेगी.

दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश भारत टेक्नोलॉजी और मैनपॉवर में भी मजबूती से खड़ा हुआ है. दुनिया के किसी भी देश में आधुनिक विकास के प्रयासों में भारतीय ब्रेन की महत्वपूर्ण भूमिका है. भारत में अंतरिक्ष, टेक्नोलॉजी, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और आईटी सेक्टर में जो न्यू नॉर्मल विकसित किया है, उसकी निरंतरता पर सरकार की सक्रियता से भारत सुपरपावर देशों की बराबरी में खड़ा होने में सक्षम हो जाएगा. दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन ही चुका है.

अंतरिक्ष में भारत की शुभता का सुभांशु प्रकाश देश के गगनयान उड़ान को पंख देगा. देश के लिए गौरव के क्षण में भी राजनीति से हमारी कमजोरी दिखती है. यह उड़ान भारत की उड़ान है. वर्तमान को इसका श्रेय मिलेगा. मोदी विरोध में हर उपलब्धि को नकारने की प्रवृत्ति राजनीति से खत्म होगी, तो लोकतंत्र का न्यू नॉर्मल बनेगा.

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस,सांख्य अर्थात् गिनाने वाला शास्त्र

योग में अनुसंधान विधियां एवं सांख्यिकी का महत्व सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक उपयोगिता

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर सभी समाज की जयंती, महापुरुषों की जयंती, सभी धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय पर्व उत्साह पूर्वक मनाये जाते है, स्वच्छता, नशामुक्ति वृक्षारोपण, पर्यावरण, शिक्षा, खेलकूद जैसे विषय पर जागरूकता अभियान एवं सभी राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय दिवस का महत्व एवं जीवन में उपयोगिता बताते हुए साधकों को स्वस्थ रहते हुए सेवा कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया जाता है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर पर योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि सांख्य अर्थात् गिनाने वाला शास्त्र, सांख्यिकी एक गणितीय विज्ञान है जिसमें किसी वस्तु / अवयव / तंत्र/ समुदाय से सम्बन्धित आकड़ों का संग्रह, विश्लेषण, व्याख्या या स्पष्टीकरण और प्रस्तुति की जाती है। सामाजिक - आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में आंकड़ों की काफी अहमियत होती है। इनके बगैर कोई भी बड़ा सर्वेक्षण, रिसर्च और मूल्यांकन पूरा नहीं किया जा सकता। इसलिए सांख्यिकी के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रत्येक वर्ष 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य रोजमर्रा की जिंदगी में और योजना एवं विकास की प्रक्रिया में सांख्यिकी के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना है। यह दिवस प्रसिद्ध सांख्यिकीविद् प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती पर मनाया जाता है।

अपने जीवन में हम सभी विभिन्न अखबारों, पत्रिकाओं में इंटरनेट, विभिन्न टीवी एवं रेडियो चैनलों आदि पर विज्ञान, वैज्ञानिक एवं उनसे संबंधित आविष्कार, खोज, अन्वेषण सिद्धान्त, आदि शब्दों के बारे में सुनते रहते हैं एवं हमारे मनों में सहज ही ये जिज्ञासा होती हैं कि के ये कार्य किस प्रकार संभव होते हैं एवं इनके होने की प्रक्रिया क्या है? दूसरे शब्दों में कहें तो आज हमारे सामने नित्य ही नयी नयी वस्तुयें निर्मित होकर आती रहती हैं एवं उन्हें उपयोग कर लेने के अलावा उनके बारे में हम कुछ नहीं जान पाते हैं, पर जब भी हम इनकी कार्य प्रक्रिया की ओर अपना ध्यान आकर्षित करते हैं, हम आश्चर्य चकित रह जाते हैं कि इसके निर्माण के पीछे कितना श्रम, समय, एवं धन लगाया गया होगा, तथा हम यह सोचने लगते हैं कि इस आश्चर्य जनक कृति के निर्माण में कितना बौद्धिक कौशल लगाया गया होगा, बुद्धि द्वारा कैसा ताना बाना बुना गया होगा। हमारे शिक्षक इस बौद्धिक कौशल एवं बुद्धि के ताने-बाने को विज्ञान का विषय मानते हैं। इस प्रकार के सभी कार्यों को विज्ञान की उपज माना जाता है एवं इसे क्रियान्वित करने वालों को वैज्ञानिक कहा जाता है। भौतिकी के क्षेत्र में इस प्रकार का कार्य करने वालों को भौतिक विज्ञानी, रसायनों के क्षेत्र में रसायन विज्ञानी, जीव-जन्तु से संबंधित क्षेत्र में जीवविज्ञानी एवं जन्तु विज्ञानी कहा जाता है। इसी प्रकार मनोविज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने वाले को मनोवैज्ञानिक कहते हैं। ज्ञान के किसी भी क्षेत्र के वैज्ञानिक हों उन सभी के इस प्रकार के कार्यों के पीछे एक व्यवस्थित प्रक्रिया काम करती है। इस प्रक्रिया को ही अनुसंधान, शोध, एवं रिसर्च की संज्ञा दी जाती है। इस प्रक्रिया को जान लेने के बाद इसका उपयोग योग के क्षेत्र में अर्थात् योग विषय से संबंधित विभिन्न प्रकार की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक समस्याओं को सुलझाने एवं उनका हल ढूँढ़ने में कर सकते हैं।

योग में सांख्यिकी का महत्व विभिन्न पहलुओं में देखा जा सकता है, जैसे कि योग के विभिन्न अंगों की समझ, योग के सिद्धांतों की व्याख्या, और योग के अभ्यास की प्रभावशीलता का मूल्यांकन। सांख्यिकी योग के सिद्धांतों की व्याख्या करने में मदद करती है, जैसे कि प्रकृति के तीन गुण (सत्व, रज, और तम) और मानव शरीर के विभिन्न अंगों की संरचना। सांख्यिकी योग के अभ्यास की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने में मदद करती है, जैसे कि आसनों और प्राणायाम के प्रभाव का अध्ययन। सांख्यिकी योग के विभिन्न अंगों की समझ प्रदान करती है, जैसे कि यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। सांख्यिकी पंचकोश की अवधारणा को समझाने में मदद करती है, जो मानव शरीर के पांच आवरणों (अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय, और आनंदमय) को दर्शाती है। सांख्यिकी त्रिगुण की अवधारणा को समझाने में मदद करती है, जो प्रकृति के तीन गुणों (सत्व, रज, और तम) को दर्शाती है।

व्यान - यह वायु पूरे शरीर में रक्त और ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करती है। यह शरीर के सभी भागों में स्थित होती है। उदान - यह वायु निगलने, बोलने और आत्मविश्वास को नियंत्रित करती है। यह शरीर के गले और सिर में स्थित होती है। समान - यह वायु पाचन और पोषण को नियंत्रित करती है। यह शरीर के मध्य भाग में स्थित होती है। पांच प्राण वायु योग और आयुर्वेद में वर्णित हैं जो शरीर में विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करती हैं। इन पांच प्राण वायु को समझने और संतुलित करने से शारीरिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। पांच तत्व प्राकृतिक तत्व हैं जो हमारे आसपास की दुनिया को बनाते हैं। ये पांच तत्व हैं - पृथ्वी - यह तत्व स्थिरता और संरचना को दर्शाता है। यह हमारे शरीर के ठोस भागों जैसे कि हड्डियों और मांसपेशियों को बनाता है। जल- यह तत्व तरलता और प्रवाह को दर्शाता है। यह हमारे शरीर के तरल भागों जैसे कि रक्त और लिम्फ को बनाता है। अग्नि - यह तत्व ऊर्जा और परिवर्तन को दर्शाता है। यह हमारे शरीर की पाचन क्रिया और ऊर्जा उत्पादन को नियंत्रित करता है। वायु - यह तत्व गति और परिवर्तन को दर्शाता है। यह हमारे शरीर की श्वसन क्रिया और रक्त प्रवाह को नियंत्रित करता है। आकाश - यह तत्व खालीपन और विस्तार को दर्शाता है। यह हमारे शरीर की रिक्तियों जैसे कि पेट और फेफड़ों को बनाता है। पांच तत्व प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पांच तत्व शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पांच तत्व आध्यात्मिक विकास और आत्म-साक्षात्कार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पांच तत्व प्राकृतिक तत्व हैं जो हमारे आसपास की दुनिया को बनाते हैं। इन पांच तत्वों को समझने और संतुलित करने से शारीरिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है।

भारतीय दर्शन की छह प्रणालियाँ न्याय दर्शन, वैशेषिक दर्शन, सांख्य दर्शन, योग दर्शन, मीमांसा दर्शन, वेदांत दर्शन - प्राचीन भारत में विकसित हुई और जो अभी भी अध्ययन और अनुसरण की जाती हैं। ये दर्शन प्रणालियाँ आत्म-ज्ञान, मुक्ति, और धार्मिक कर्तव्यों को समझने में मदद करती हैं। सृष्टि के पच्चीस तत्व सांख्य दर्शन में वर्णित हैं, जो प्राकृतिक और आध्यात्मिक तत्वों को समझने के लिए एक विस्तृत ढांचा प्रदान करते हैं। ये पच्चीस तत्व हैं प्रकृति के तीन गुण - सत्व - यह गुण शुद्धता, ज्ञान और संतुलन को दर्शाता है। रज - यह गुण गतिविधि, ऊर्जा और परिवर्तन को दर्शाता है। तम - यह गुण जड़ता, अज्ञान और स्थिरता को दर्शाता है। पांच महाभूत - पृथ्वी - यह तत्व स्थिरता और संरचना को दर्शाता है। जल - यह तत्व तरलता और प्रवाह को दर्शाता है। अग्नि - यह तत्व ऊर्जा और परिवर्तन को दर्शाता है। वायु *-यह तत्व गति और परिवर्तन को दर्शाता है। आकाश - यह तत्व खालीपन और विस्तार को दर्शाता है। ज्ञान के दस इंद्रिय - ज्ञानेंद्रिय - कान, त्वचा, आंखें, जीभ और नाक। कर्मेंद्रिय - हाथ, पैर, मुंह, जननेंद्रिय और गुदा।अंतःकरण के चार तत्व - मन - यह तत्व विचारों और भावनाओं को दर्शाता है। बुद्धि - यह तत्व निर्णय और विवेक को दर्शाता है। अहंकार - यह तत्व आत्म-चेतना और अहंकार को दर्शाता है। चित्त - यह तत्व स्मृति और अनुभव को दर्शाता है। पुरुष - यह तत्व आत्मा या चेतना को दर्शाता है। अन्य दो तत्व - प्रकृति - यह तत्व प्राकृतिक दुनिया को दर्शाता है। मोक्ष - यह तत्व आत्म-ज्ञान और मुक्ति को दर्शाता है।

संख्या का उपयोग नियमितता को बढ़ावा देता है, जिससे योग अभ्यास में निरंतरता और प्रगति होती है। संख्या का उपयोग योग अभ्यास की प्रभावशीलता को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे शारीरिक, मानसिक, और आत्मिक लाभ प्राप्त होते हैं।योग में संख्या का महत्व एकाग्रता, नियमितता, और प्रभावशीलता को बढ़ाने में मदद करता है। संख्या का उपयोग योग अभ्यास में विभिन्न पहलुओं में किया जाता है, जैसे कि आसनों की संख्या, प्राणायाम की संख्या, और मंत्रों की संख्या।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

एमपी राइज 2025 कॉन्क्लेव रतलाम में आये 30,402 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

35 हजार से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार, रतलाम अब स्किल, स्केल और स्टार्टअप्स के लिये भी जाना जायेगा, उन्नति के दरवाजे खोलने का कार्य कर रही है राज्य सरकार

रतलाम। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के साथ-साथ अब मध्यप्रदेश भी बदल रहा है। यहां विकास के सभी क्षेत्रों में नवाचार हो रहे हैं। हर क्षेत्र में निवेश का अच्छा माहौल बना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास का यह कारवां रूकेगा नहीं, बल्कि अब और तेज गति से आगे बढ़ेगा। रतलाम पहले सेव, साडियों और सोने के लिए जाना जाता था लेकिन अब यही रतलाम स्किल, स्केल और स्टार्टअप्स के लिए जाना जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रतलाम की राइज कॉन्क्लेव में 30402 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 35 हजार 520 रोजगार का सृजन होगा।

रतलाम का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। रतलाम की देश में केन्द्रीय स्थिति इसे और भी विशेष बनाती है। बहुत जल्द प्रदेश में एयर कार्गो के जरिए हवाई मार्ग से माल की आवाजाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य की बेहतरी और युवाओं को रोजगार देने के लिए हमारी सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी प्रदेश बनाने तक हमारी कोशिशें जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिये जहां से भी हो सकेगा, वहां से निवेश लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए वे 29 जून को सूरत में रोड-शो करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रतलाम में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट (राईस) कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पूर्व स्थापित एमएसएमई इकाइयों द्वारा यदि केवल नवकरणीय संयंत्र की स्थापना के लिये पृथक से निवेश किया जाता है तो इन इकाइयों को भी नवकरणीय ऊर्जा संयंत्र में किये गये निवेश पर उद्योग विकास अनुदान की सहायता दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रतलाम में मेगा इन्वेस्टमेंट रीजन से लगे लगी 6 ग्राम बिबड़ौद, पलसोड़ी, रामपुरिया, सरवनीखुर्द, जामथुन एवं जुलवानिया क्षेत्र एवं आबादी में स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिये मार्ग निर्माण, सामुदायिक भवन एवं आवश्यक अधोसंरचना विकास के लिये प्रति ग्राम पंचायत 50 लाख की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने निवेश क्षेत्र इण्डस्ट्रीयल पार्क एवं रतलाम क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों की सुविधा के लिये नवीन क्षेत्र में 220 केवी विद्युत लाईन की व्यवस्था करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि रतलाम के पोलो ग्राउंड में अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर हॉकी का एस्ट्रो टर्फ बनाया जायेगा। साथ ही रतलाम में बड़ी हवाई पट्टी का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि कालिका माता परिसर के विकास के लिये सैटेलाइट टाउन बनाया जायेगा।

4 लाख से अधिक हितग्राहियों को मिला 3861 करोड़ रूपए का ऋण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट (राईस) कॉन्क्लेव में प्रदेश के 4 लाख से अधिक हितग्राहियों को स्व-रोजगार के लिए 3861 करोड़ रूपए की ऋण राशि सिंगल क्लिक के जरिए उनके खातों में हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री ने 6000 करोड़ रूपए से अधिक निवेश करने और 17600 से अधिक रोजगार प्रदान करने वाली 35 वृहद औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन पत्र भी प्रदान किए। साथ ही 2012 करोड़ रूपए से अधिक लागत की 94 औद्योगिक इकाइयों और क्लस्टर्स का भूमिपूजन और लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश में हर महीने इन्वेस्टर समिट उद्योग और रोजगार को बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम हो रहे हैं। राज्य सरकार प्रदेश और देश के अलग-अलग शहरों में निवेशकों के लिए रोड शो और अन्य कार्यक्रम आयोजित कर रही है। सरकार व्यापार-व्यवसाय के लिए अपनी नीतियों के बल पर ठोस कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि रतलाम के महालक्ष्मी मंदिर में दीवाली पर हर व्यापारी लाखों की संपत्ति रखते हैं आज यहां भी निवेश की बारिश हो गई। अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर उद्यमियों और अधिकारियों का अभिनंदन है। बदलते दौर में प्रदेश को प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा अनेक सौगातें मिल रही हैं। रतलाम की कनेक्टिविटी अन्य राज्यों के साथ बेहतर है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस के माध्यम से यहां से 6 घंटे में दिल्ली और 6 घंटे में मुंबई पहुंच सकते हैं। आगामी वर्षों में व्यापारियों को माल परिवहन के लिए एयर कार्गो सेवा प्रदान करेंगे। गुड्स को हवाई मार्ग से बाहर भेजेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 11 साल के कार्यकाल में भारत को दुनिया के आगे खड़ा कर दिया है। आज हर तरह की विश्व स्तरीय सुविधाएं भारत में उपलब्ध हैं। हमारी सरकार रेल यात्रियों के साथ माल परिवहन में भी अहम भूमिका निभा रही है। रेलमंत्री ने रतलाम को 4 ट्रैक रेल-लाइन की सौगात दी है। प्रदेश में जीआईएस के माध्यम से 30.77 लाख करोड़ से अधिक निवेश प्राप्त हुआ, जिससे करीब 21 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार ने उद्योग, निवेश और रोजगार के अवसर विकसित करने के लिए 18 नई नीतियां फरवरी में लागू की हैं। प्रदेश में 340 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र 10 फूड पार्क, 5 एसईजेड, 2 स्पाइस पार्क संचालित हैं। मध्यप्रदेश में पर्याप्त लैंड बैंक उपलब्ध है, नए निवेशकों को उद्योग शुरू करने के लिए सरकार पूरी मदद दे रही है। राज्य में बिजली भी सरप्लस है। लेदर पार्क, फार्मा पार्क, टैक्सटाइल पार्क, आईटी और सर्विस सेक्टर में नए आवास बने हैं। आईटी सेक्टर में प्रदेश में 220 से अधिक और 150 से अधिक ईएसडीएम कंपनियां संचालित हैं, जहां 2 लाख से अधिक आईटी प्रोफेशनल्स कार्यरत हैं।

हमारी नीति है जहां कॉन्क्लेव करते हैं, वहां इंडस्ट्री का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी करते हैं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी नीति है कि जहां कॉन्क्लेव करते हैं, वहां इंडस्ट्री का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी करते हैं। राइज कॉन्क्लेव नए उद्यमी तैयार करने का अभिनव प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा, सागर, अलीराजपुर, धार, रतलाम के उद्यमियों एवं जनप्रतिनिधों से वर्चुअली संवाद किया। यहां फूड प्रोसेसिंग, टैक्सटाइल, डेयरी इंडस्ट्री, विद्युत उपकरण निर्माण यूनिट स्थापित करने वाले उद्यमियों से जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एसआरएफ ग्रुप को भूमि आवंटन के लिए लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने एमएसएमई स्वरोजगार क्रेडिट में ऋण प्रदान करने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के तरण सिंह जीरा को वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ इंडिया का भी इसी श्रेणी में सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजीविका स्वसहायता समूहों को ऋण राशि के चेक भी वितरित किए।

बैरसिया में धूमधाम से निकाली गई भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा भक्तों ने रथ की रस्सी खींची

बैरसिया। ।मारुति सत्संग मंडल बैरसिया के तत्वाधान में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा बड़े ही धूमधाम से निकाली गई। रथ यात्रा नगर के प्राचीन जगदीश मंदिर बृहस्पति मोहल्ला से प्रारंभ हो कर नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई राम जानकी मंदिर महाराणा प्रताप नगर बैरसिया में पहुंचकर भगवान जगन्नाथ स्वामी की विशेष पूजा अर्चना महा आरती प्रसाद वितरण एवं भंडारे के साथ संपन्न हुई।भंडारे में हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। रथ यात्रा का नगर के अनेक धार्मिक राजनैतिक सामाजिक संगठनों के अलावा नगर की जनता ने पुष्प बर्षा कर स्वागत किया। भगवान जगन्नाथ स्वामी का आकर्षक रथ रथ को खींचते हुए श्रद्वालु भजन करती कीर्तन मंडलीय मंगल गान करती महिलाएं करतब दिखाते शांति निकेतन स्कूल अखाड़ा मंडली के छात्र छात्राएं ढोल एवं डी जे की धुन पर नृत्य करती युवाओं की टोली एवं चलित झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहे। इस अवसर पर नगर के भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष भगवान सिंह मीणा वरिष्ठ समाज सेवी दीपक दुबे हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष सुनील धाकड़ रामलीला कमेटी अध्यक्ष गणेश गिरी गुड्डा भैया हेमराज साहू शांति लाल श्रीवास सहित बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी जनता मौजूद थी।

आचार्य अपना मूल्यांकन स्वयं करें ,शिक्षा ग्रहण करने की कोई सीमा नहीं होती, माधवी माथुर

सिरोंज।सरस्वती शिशु मंदिर कोरवासा में तीन दिवसीय आचार्य अभ्यास वर्ग का समापन हुआ जिसमें अंतिम दिन मुख्य अतिथि घनश्याम रघुवंशी प्रांत सदभावना प्रमुख ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि भारत को सिरमौर बनाने में आचार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। आचार्यों को स्वयं अपना मूल्यांकन करके समीक्षा करके समाधान करें एवं प्रारंभिक शिक्षा पर जोर देते हुए कहा खेल खेल में शिक्षण कार्य भैया बहनों के संपूर्ण विकास करना चाहिए पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती माधवी संजीव माथुर ने कहा कि शिक्षा प्राप्त करने की कोई सीमा नहीं होती है और ना ही शिक्षा देने से कम होती है जितना दूसरों को ज्ञान देंगे उतना ही समाज में उसका फायदा होगा साथ ही उन्होंने कहा कि अपने अंदर आत्म चिंतन करने पर जोर देते हुए कहा कि हमारी नीव मजबूत बनेगी तो मकान भी कई वर्ष इस हालत में कायम रहेगा नीव में कमी आई तो मकान भी दरारें आने लगती है । आचार्य अभ्यास वर्ग के समापन सत्र में संकुल प्रमुख बहादुर सिंह रघुवंशी , गौरव शर्मा आदि भी शामिल हुए।

कचरा फैलाने वाले 8 व्यापारियों के किए चालान, 8 हजार का जुर्माना लगाया

छतरपुर । स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 को लेकर पूरे शहर में तैयारी चल रही है। नगरपालिका छतरपुर ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं आगे आकर शहर को साफ-स्वच्छ बनाए रखने में अपना योगदान दें।

छतरपुर नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया व सीएमओ माधुरी शर्मा के निर्देशन में एवं स्वच्छता निरीक्षक संजेश नायक के मार्गदर्शन में बीते रोज कचरा फेंकने, गंदगी फैलाने वाले 8 व्यापारियों के 1-1 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। यह कार्रवाई शहर के बस स्टैंड के आसपास के क्षेत्र में की गई।

छतरपुर नगरपालिका की टीमें वार्डों में लगातार निगरानी कर रही हैं तथा गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। साथ ही गंदगी फैलाने वालों को स्पष्ट चेतावनी दी।

रतलाम में जिला भाजपा कार्यालय के नवीन भवन निर्माण का भूमि पूजन समारोह संपन्न

रतलाम। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी. शर्मा ने प्रताप नगर क्षेत्र में भाजपा के नए जिला कार्यालय भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन किया। इस दौरान एमएसएमई मंत्री चेतन्य काश्यप, सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक डॉ. राजेन्द्र पाण्डे, डॉ. चिंतामणि मालवीय, मथुरालाल डामर, संभाग प्रभारी जीतू जिराती, जिला प्रभारी प्रदीप पाण्डे, पूर्व जिलाध्यक्ष ईश्वरलाल पाटीदार, कानसिंह चौहान, बजरंग पुरोहित, राजेंद्र सिंह लुनेरा, महापौर प्रहलाद पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष लालाबाई चंद्रवंशी, निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा, जिला महामंत्री निर्मल कटारिया, संगीता चारेल उपस्थित रहे। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने की।

भूमि पूजन की विधि के पश्चात् सजनप्रभा सभागार में भूमि पूजन समारोह आयोजित हुआ। इसे संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भाजपा कार्यालय के लिए भूमि पूजन होना सभी कार्यकर्ताओं के लिए सौभाग्य की बात है। रतलाम में नए कार्यालय भवन की नितांत आवश्यकता थी, क्योंकि पैलेस रोड़ स्थित कार्यालय भवन छोटा पडने लगा था। भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और इसके कार्यालय में आने वाले हर व्यक्ति को परिवार का अनुभव होना चाहिए, इसलिए रतलाम सर्व सुविधायुक्त कार्यालय भवन बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के बताए मार्ग पर चलकर अंत्योदय का कार्य कर रही है। इसके तहत रतलाम में नए उद्योग लाने के साथ-साथ पुराने बंद उद्योगों के श्रमिकों को भी उनकी बकाया राशि दिलाने का कार्य होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में भारत को दुनिया का नंबर 1 देश बनाने का लक्ष्य है। इसमें मध्यप्रदेश अग्रणी योगदान देगा। रतलाम की पहचान सेंव, सोना, साड़ी के लिए ही नहीं अपितु भविष्य में समृद्धि और स्कीम के लिए होगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री वी.डी. शर्मा ने इससे पूर्व कहा कि रतलाम के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। भाजपा का नया कार्यालय भवन हर कार्यकर्ता के काम का केंद्र बनेगा। प्रधानमंत्री मोदीजी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में विकास और कल्याण के जो कार्य हो रहे है, उनका आधार संगठन है। संगठन कार्यकर्ताओं की शक्ति से मजबूत होता है। रतलाम के नए कार्यालय भवन में हर कार्यकर्ता अपना योगदान दे। समारोह के आरंभ में जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने स्वागत भाषण देते हुए मुख्यमंत्री जी के प्रति स्टेडियम के विकास हेतु 5 करोड़ की घोषणा करने पर आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री निर्मल कटारिया ने किया। आभार एमएसएमई मंत्री चेतन्य काश्यप ने माना।

युवाओं को रोजगार के अवसर मिले इसके लिये आष्टा में ज्यादा से ज्यादा उद्योग लगे,कम्पनियां आये इसके सतत प्रयास मेरी पहली प्राथमिकता: विधायक

1540.19 लाख के मुख्यमंत्री ने किये वर्चुअल भूमिपूजन

आष्टा । मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं मध्यप्रदेश सरकार के उधोग मंत्री चैतन्य कश्यप द्वारा आज रतलाम में आयोजित रीजनल एंड्स्ट्रीज स्किल एंड एम्प्लायमेंट कॉन्क्लेव कार्यक्रम में रतलाम से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वर्चुअल आष्टा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पगारिया राम औद्योगिक क्षेत्र में उद्योग विभाग द्वारा 1540.19 लाख रुपयों की लागत से कराये जाने वाले अधोसंरचना विकास कार्यो का मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उद्योग मंत्री चैतन्य कश्यप द्वारा वर्चुअल भूमिपूजन किया गया । आष्टा स्तिथ औद्योगिक क्षेत्र पगारिया राम में जिला उद्योग केंद्र सीहोर द्वारा आयोजित वर्चुअल भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आष्टा के विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने भूमिपूजन कर पट्टिका का अनावरण किया । आयोजित कार्यक्रम में विधायक गोपालसिंह इंजीनियर का जिला उद्योग केंद्र सीहोर के अनुराग वर्मा व अन्य अधिकारियों ने स्वागत सम्मान किया ।

वर्चुअल भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने कहा की जनता जनार्दन के आशीर्वाद से मुझे विधानसभा क्षेत्र की जनता की सेवा का एवं आष्टा क्षेत्र के समग्र विकास का जो आशीर्वाद मिला है,सब के सहयोग से पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ विकास का इतिहास लिखने में कोई कोर कसर नही छोडूंगा । आष्टा का औद्योगिक विकास भी मेरी प्राथमिकता में है,मेरा मानना है युवाओ को रोजगार के यही अवसर मिले इसके लिये क्षेत्र का औद्योगिकरण जरूरी है,इसके लिये सतत प्रयास रत हु, की क्षेत्र में नई नई औद्योगिक इकाईयों लगे और उनमें मेरे आष्टा क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को यही रोजगार के सुअवसर मिले। आष्टा के इस बड़े भूभाग पर नया औद्योगिक क्षेत्र का विकास हो रहा है,इसमें करीब 80 से अधिक 5 से 10 हजार स्कवायर फिट के प्लाट है । मेरा प्रयास है की आष्टा के शिक्षित बेरोजगार आगे आये लघु, सूक्ष्म उद्योग लगाये उनको इस प्रोजेक्ट में जो भी सुविधाए शासन स्तर से मिल सकती है में दिलाऊंगा,मेरा युवा साथी अन्य बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने वाला युवा बने ये मेरा सपना है,जिसे हकीकत में बदलने में दिन रात लगा हु । आष्टा के इस नये औद्योगिक क्षेत्र में 5 एवं 10 हजार स्कवायर फिट के करीब 80 से अधिक प्लाट होंगे जो 95 साल की लीज पर दिये जायेंगे । जब यहा नई नई औद्योगिक इकाइयों आयेगी तो क्षेत्र का विकास होगा,रोजगार के अवसर खुलेंगे,व्यापार बढेगा,क्षेत्र की आर्थिक उन्नति होगी और क्षेत्र विकसित होगा ।

वर्चुअल भूमिपूजन कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधि,सभी मंडलो के अध्यक्ष,वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता,ग्रामीणजन उपस्तिथ रहे । कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी ने देखा और सुना ।

वार्ड की नाली पर अतिक्रमण करना पड़ा भारी

पानी निकासी में बांधा बने अतिक्रमण को नपा प्रशासन ने जेसीबी से तोड़ा

इटारसी। नगर पालिका सीएमओ रितु मेहरा जब वार्ड 24, 25 और 26 में अतिक्रमण हटाने पहुंचीं तब नगर पालिका टीम में वह अकेली महिला देखीं गई उनकी सब सराहना कर रहे थे, क्रिमिनल क्षेत्र के बाबजूद उन्होंने नारी शक्ति - रुद्र रूप से नपा प्रशासन टीम को लेकर नालियों पर किया अतिक्रमण जेसीबी से हटा दिया। दो दिन पूर्व ही सीएमओ मेहरा ने यहां के हटकर्मी लोगों को नालियों से अतिक्रमण हटाने का मौखिक आदेश दिया था , उनके आदेश को अतिक्रमणकारियों ने गंभीरता से नहीं लिया ओर नगर प्रशासन ने जेसीबी की मदद से अतिक्रमण तोड़ दिये।

मुख्य सड़क किनारे बनी नाली को अनेक लोगों ने विल्पुत कर पक्का अतिक्रमण कर दुकान बना रखी थी जिसके कारण निकासी का रास्ता अवरूद्ध हो चुका था।

दो दिन पूर्व सीएमओ ने इस प्रकार के अतिक्रमण का निरीक्षण करके सभी को स्वयं ही हटाने की समझाईश दी थी। जिसके बाद नगर पालिका ने शुक्रवार पहुंचकर पक्के अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया ।

इस दौरान सीएमओ ने कहा कि मेन नालियों पर पक्के अतिक्रमण होने से नाली के पानी की निकासी नहीं हो पा रही थी, लोगों को समझाईश दी थी, उन्होंने स्वयं नहीं हटाए तो आज हम अपनी तकनीकि टीम के साथ पहुंचे और पक्के बनाये अतिक्रमण तोड़ दिए। उन्होंने कहा इस दौरान कहीं कोई समस्या नहीं आयी। सभी को समझाईश दी है कि दोबारा अतिक्रमण न करें, बारिश में जलजमाव की स्थिति न बने, इसलिए नालियों का साफ रखना जरूरी है, उस पर कोई अतिक्रमण न करे। उन्होंने कहा कि सभी नालियों को मुख्य नाले से जोड़ा जाएगा।

मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण हटाने के बाद अमला वार्ड नंबर 24 की एक प्रमुख गली में पहुंचा जहां 20 फीट चौड़ी सड़क 7 फुट में तब्दील हो गई थी, यहां नया निर्माण होना है अतः सड़क के दोनों तरफ से लोगों के द्वारा किया गया अवैध कब्जे को जेसीबी से हटाया गया । उन्होंने कहा आगामी दिनों में ऐसी कार्रवाई निरंतर की जाएगी ।

चांदी के रथ में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देने निकले जगदीश स्वामी, रथ को खींचने श्रद्धालु उमड़े

सिरोंज । शुक्रवार को जगन्नाथ रथ यात्रा भक्ति भाव उत्साह के साथ निकली बैंड बाजे के साथ भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा जी चांदी के भव्य रथों पर सवार होकर नगर वासियों दर्शन देने के लिएं श्री राम लला सरकार मंदिर में पूजा अर्चना के बाद लिए निकले भगवान जगन्नाथ स्वामी के रथ को अपने हाथों से खींचने का विशेष महत्वत बताया गया इसके चलते भगवान जगन्नाथ स्वामी जी के रथ को हाथों से खींचने के लिए श्रद्धालु में गजब का उत्साह देखने को मिला भगवान के दर्शन करने और पूजा अर्चना और आरती करने के लिए भी श्रद्धालु पूजन सामग्री लेकर जगह-जगह खड़े हुए थे। क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा भी बाजार में जगदीश स्वामी की यात्रा में सम्मिलित हुए रथ को अपने हाथों से खींचा और पूजा अर्चना की नगर के मुख्य मार्गो से रथ यात्रा निकाली इससे पहले श्री रामदास सरकार मंदिर पर विशेष पूजा और शादी का वितरण किया गया विशेष रूप से पिछले साल चांदी का रथ मंदिर समिति ने जन सहयोग से तैयार किया है इसमें भगवान विराजमान होकर निकले उनकी एक झलक पाने के भक्तों में उत्साह नजर आ रहा था बाजार में भारी भीड़ टी लोग घरों की चो पर से भी भगवान के दर्शन कर रहे थे। जगन्नाथ पुरी में भगवान जगदीश स्वामी की यात्रा निकलती हैं उसी तरह में नगर में भी सालों से रथ यात्रा निकलती आ रही है। पिछले कई दिनों से यात्रा की तैयारी की जा रही थी प्रशासन के द्वारा भी सुरक्षा को लेकर विशेष अंजाम किए गए थे बिजली के तारों को हटाने के लिए भी एक व्यक्ति चल रहा था वरिष्ठ जन हाथों में ध्वजा पताका लेकर आगे चल रहे थे पूरा नगर भक्ति में नजर आ रहा था ।

जगह-जगह हुआ स्वागत

भगवान जगदीश स्वामी की पूजा अर्चना करने के लिए भक्तों में भी भारी वर्षा देखने को मिला पग पग पर पूजन सामग्री लेकर भगवान की पुजार चुनाव आरती करने के लिए अतुनजर आ रहे थे तरह-तरह के व्यंजन और फलों को भगवान को अर्पित करके रथ को खींचने के लिए उत्साहित दिखाई दे रहे थे प्राचीन काल से मानता है कि जगन्नाथ स्वामी के रथ को अपने हाथों से खींचने से भगवान की विशेष कृपा होती है। दूसरी और पिछले साल चांदी के रथ में भगवान जगदीश स्वामी यात्रा निकालने का निर्णय किया था वहां भी भगवान की कृपा से पूर्ण हुई । चांदी का रथ तैयार करने के लिए समिति को काफी प्रयास जरूर करने पड़े पर भगवान जी का काज भक्ति भाव से किया जाए तो वहां पूर्ण भी होता है।अब चांदी के रथ सवार होकर जगदीश स्वामी में भक्तों को स्वयं दर्शन देने पहुंचे।

रान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, व्यापार महासंघ अध्यक्ष पदम ताम्रकार, विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव जन भागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव सजय सोनी, सुमंत मित्तल, हरिचरण अहिरवार,प्रभात सोनी, नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू आदि मौजूद थे।

कार्यालय नगर परिषद सुल्तानपुर जिला रायसेन म.प्र.

क्रमांक/526/2025 सुल्तानपुर दिनांक-26/6/2025

निविदा सूचना

एतद् द्वारा समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद सुल्तानपुर को तालिका अनुसार कार्य को कराया जाना है। जिस हेतु निविदा दिनांक 12.07.2025 तक आंमत्रित की जाती है। जो कि उसी दिन निविदाकारों या उनके द्वारा नियुक्त प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी।

क्रं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र	कार्य की समय सीमा
1.	वार्डक. 10 में स्थित खेड़ापति माता मंदिर के पास चबुतरा निर्माण कार्य।	48,350.00	1000.00	1000.00	एक माह

नियम एवं शर्तेः-
1. जी.एस.टी का नियमानुसार भुगतान किया जायेगा।
2. यह संक्षिप्त सूचना है। विस्तृत जानकारी कार्यालीन समय में अवकाश के दिनों में छोड़कर लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है।
3. दर स्वीकृति / अस्वीकृति करने का अधिकार निकाय के पास होगा।
4. टेण्डर फार्म स्टोर शाखा से निर्धारित समयसीमा में शुल्क जमा कर कय किये जा सकते है।
5. निर्माण कार्य म.प्र. नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आई.एस.आर. दिनांक 02.08.2021 से प्रभावशील कर कराया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद सुल्तानपुर जिला रायसेन (म.प्र.)

जुलाई शुरू होने से पहले सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

मुंबई, एजेंसी। जुलाई शुरू होने से पहले सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है, जो खरीदारों के लिए एक अच्छा मौका साबित हो सकता है। आज शनिवार, 28 जून 2025 को सोने के दाम में प्रति 10 ग्राम 600 रुपये की कमी आई है, जबकि चांदी की कीमतों में 100 रुपये प्रति किलो की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के बाद अब 24 कैरेट शुद्ध सोना 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम पर उपलब्ध है, जबकि 22 कैरेट सोने का भाव 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं 18 कैरेट सोने की कीमत 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास चल रही है। चांदी की बात करें तो इसकी कीमत अब 1,07,800 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है, यानी यह अब भी एक लाख रुपये के पार बनी हुई है। हालांकि, सोने की कीमत फिलहाल एक लाख रुपये के भीतर ट्रेंड कर रही है, जिससे निवेशकों और ग्राहकों को कुछ राहत मिली

है।आज 18 करेट सोने का कीमत दिल्ला सर्राफा बाजार में 10 ग्राम के लिए 73,190 रुपये रही। कोलकाता और मुंबई में यही दर 73,070 रुपये प्रति 10 ग्राम पर दर्ज की गई। भोपाल और इंदौर जैसे मध्य प्रदेश के बड़े शहरों में यह रेट 73,110 रुपये रहा। वहीं दक्षिण भारत के चेन्नई बाजार में सबसे आधक दर 73,600 रुपय प्रांत 10 ग्राम दर्ज की गई। भोपाल और इंदौर में आज 22 कैरेट सोने का भाव 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम है। राजधानी दिल्ली, जयपुर और लखनऊ में यह दर थोड़ी अधिक यानी 89,450 रुपये रही। वहीं हैदराबाद, केरल, कोलकाता और मुंबई में 22 कैरेट सोना 89,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रहा है।

आज 24 कैरेट शुद्ध सोने का दाम भोपाल और इंदौर में 97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में इसकी कीमत 97,570 रुपये रही, जो देशभर में सबसे ऊंची दरों में शामिल है। दूसरी ओर हैदराबाद, केरल, बेंगलुरु और मुंबई में यह रेट 97,420 रुपये रहा। चेन्नई में भी सोना इसी दर पर ट्रेंड कर रहा है। चांदी के बाजार में भी हलचल देखने को मिली है। जयपुर, कोलकाता, अहमदाबाद, लखनऊ, मुंबई और दिल्ली में आज 1 किलो चांदी की कीमत 1,07,800 रुपये रही। वहीं दक्षिण भारत के शहरों जैसे चेन्नई, मदुरै, हैदराबाद और केरल में चांदी की दर थोड़ी ज्यादा यानी 1,17,800 रुपये प्रति किलो पर दर्ज की गई। मध्य प्रदेश के भोपाल और इंदौर में चांदी 1,07,800 रुपये प्रति किलो पर ट्रेंड कर रही है।

मंदिर पर बुलडोजर एक्शन को लेकर भारत की आपत्ति के बाद बैकफुट पर बांग्लादेश

यूनुस सरकार ने दी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश रेलवे प्रशासन ने गुरुवार को ढाका के खिलखेत इलाके में बने अस्थायी दुर्गा मंदिर को गिरा दिया था। प्रशासन का दावा था कि मंदिर रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था। इस पर भारत ने आपत्ति जाहिर की थी। अब यूनुस सरकार ने इस पर सफाई दी है।

ढाका में एक मंदिर पर बुलडोजर एक्शन को लेकर भारत की आपत्ति के बाद बांग्लादेश बैकफुट पर आ गया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने मामले पर सफाई दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह सभी समुदायों के अधिकारों की रक्षा और पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन सार्वजनिक भूमि पर धार्मिक संरचनाओं का निर्माण स्वीकार नहीं है।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि ढाका के खिलखेत क्षेत्र में स्थित मंदिर बांग्लादेश रेलवे की जमीन पर बनाया गया था और सार्वजनिक भूमि को पुनः प्राप्त करने के लिए उचित प्रक्रिया के तहत इसे हटाया गया। इसमें आरोप लगाया गया है कि मंदिर की शुरुआत एक अस्थायी मंडप के रूप में हुई थी। आयोजकों ने बार-बार याद दिलाने के बावजूद अस्थायी ढांचे को स्थायी बनाने का प्रयास किया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि 26 जून को बांग्लादेश रेलवे ने खिलखेत क्षेत्र में रेल पटरी के किनारे बनी सभी अनधिकृत संरचनाओं को शांतिपूर्ण तरीके से हटा दिया। हालांकि देश के कानून सभी पूजा स्थलों को कानून के साथ किसी भी अंतर्निहित अनुरूपता के आधार पर भेदभाव किए बिना पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, लेकिन किसी भी परिस्थिति में किसी को भी सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण करके कोई धार्मिक संरचना बनाने की अनुमति नहीं है। बांग्लादेश पूजा स्थलों की सुरक्षा सहित सभी समुदायों के अधिकारों की रक्षा के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।

गिरा दिया गया था दुर्गा मंदिर

बांग्लादेश रेलवे प्रशासन ने गुरुवार को ढाका के खिलखेत इलाके में बने अस्थायी दुर्गा मंदिर को गिरा दिया था। प्रशासन का दावा था कि मंदिर रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था। मंदिर गिराने की यह कार्रवाई ऐसे वक्त हुई जब तीन दिन पहले ही भीड़ ने मंदिर हटाने की मांग की थी।

भारत ने जताई थी नाराजगी

दुर्गा मंदिर को ढहाने को लेकर भारत ने कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि कुछ चरमपंथी ढाका के खिलखेत में बने दुर्गा मंदिर को गिराने की मांग कर रहे थे। लेकिन अंतरिम सरकार ने मंदिर की सुरक्षा करने के बजाय इसे अवैध कब्जा बता दिया और आज मंदिर ढहा दिया गया। हम इस बात से बेहद दुखी हैं कि बांग्लादेश में ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हिंदू समुदाय, उनकी संपत्ति और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

असम में कच्चे तेल के कुएं से 16 दिनों से जारी गैस रिसाव पर पाया गया काबू

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने असम के सिवसागर जिले के कुएं नंबर आरडीएस- 147ए के गैस रिसाव को सफलतापूर्वक नियंत्रण कर लिया है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह जानकारी दी। मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर इससे संबंधित के पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि गैस ब्लोआउट को सुबह 11ः15 बजे नियंत्रण किया कर लिया गया। यह रिसाव 12 जून से शुरू हुआ था और सभी बेहतरीन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए इसे कम से कम समय में सफलतापूर्वक कैप कर दिया गया। उन्होंने कहा कि ओएनजीसी की संकट प्रबंधन टीम ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद से इस यह कार्य पूरी सावधानी, सर्वोत्तम तकनीकों और उच्च स्तरीय सुरक्षा उपायों के साथ बिना किसी चोट, दुर्घटना या आग के संपन्न किया। पेट्रोलियम मंत्री ने जमीनी स्तर पर टीम को सहयोग देने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और राज्य सरकार के अधिकारियों को भी धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री हिमंत ने जवाब में कहा कि सबसे बढ़कर मैं शिवसागर के बहादुर पुरुषों और महीलाओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

आईपीओ में छह महीने का रिकॉर्ड टूटा, 8 कंपनियों ने जुटाए 17,688 करोड, सेंसेक्स भी रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब

मुंबई, एजेंसी। सेकेंडरी बाजार में अच्छी तेजी के बाद प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ ने रफ्तार पकड़ ली है। बीएसई सेंसेक्स जहां अक्तूबर के बाद पहली बार 84,000 के पार पहुंचा है, वहीं आईपीओ बाजार ने छह महीने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जून में 8 कंपनियों ने 17,688 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे पहले दिसंबर, 2024 में 26,021 करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

इस महीने के पहले 12 दिन तक एक भी आईपीओ नहीं आया है। 15 दिन में 8 कंपनियां बाजार में उतर गईं। सबसे बड़ा 12,500 करोड़ का इश्यू एचडीबी फाइनेंशियल का रहा। जुलाई भी अच्छा दिख रहा है। दो और तीन जुलाई को दो कंपनियां 2,860 करोड़ जुटाने के लिए बाजार में उतरेंगी। इस साल मुख्य प्लेटफॉर्म पर 24 कंपनियों ने बाजार से 45,374 करोड़ जुटाए। हालांकि, मार्च और अप्रैल में केवल एक कंपनी ही लिस्ट हुई थी। छोटी और मझोली कंपनियां यानी एसएमई आईपीओ में भी तेजी बनी हुई है। इस साल अब तक कुल 100 कंपनियों ने 4,395 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

प्राइम डाटाबेस के एमडी प्रणव हल्दिया कहते हैं कि आईपीओ बाजार सेकेंडरी बाजार पर निर्भर होता है। अक्तूबर से मार्च तक बाजार में गिरावट रही थी, जिससे आईपीओ बाजार भी थम गया था। अप्रैल से जैसे ही बाजार ने तेजी भरी, आईपीओ में भी तेजी आने लगी है।

इस साल अब तक जो भी इश्यू आए हैं, उनमें बड़े आईपीओ से खुदरा निवेशकों ने दूरी बना ली है। 800 करोड़ से ऊपर वाले इश्यू देखें तो कल्पतरू का इश्यू 2.31 गुना भरा था। खुदरा निवेशकों का हिस्सा केवल 0.76 फीसदी भरा। एलनबैरी के 17 गुना में खुदरा निवेशकों का हिस्सा 2.91 फीसदी रहा। ओसवाल पंप को कुल 34 गुना में खुदरा का हिस्सा 3.60 गुना व एजिस के 2.20 गुना में खुदरा का केवल 0.81 फीसदी हिस्सा भरा।

इंदौर-देवास मार्ग पर लंबा ट्रैफिक जाम, तीन लोगों की गई जान

इंदौर। इंदौर-देवास रोड पर शुरू हुआ भयंकर जाम तीन दिन के बाद भी नहीं खुल सका है। इस जाम में एक व्यक्ति की जान चली गई। नेता अधिकारी सब मौके से नदारद हैं। भोपाल तक ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ गई है। इंदौर-देवास रोड पर लगे जाम ने आखिरकार तीन लोगों की जान ले ही ली। पिछले एक महीने से लोग कई घंटों तक जाम में फंस रहे हैं और लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कहीं कोई सुनने वाला नहीं है। आज जाम में फंसने के बाद एक किसान की जान चली गई लेकिन अभी भी प्रशासन नहीं जागा। इंदौर से भोपाल तक लोग जाम के कारण परेशान हैं। इस रोड पर चलने वाली सभी बसें, ट्रक और गाड़ियां रेंग रही हैं। तीन दिन से लगातार जाम है और सिर्फ देवास पहुंचने में ही लोगों को 5 से 7 घंटे लग रहे हैं। देवास के कमल पांचाल, गारी पीपल्या के संदीप पटेल और शुजालपुर के बलराम पटेल ने जाम में फंसकर दम तोड़ दिया। इस मार्ग पर कहीं पर भी पुलिसकर्मी, अधिकारी और जनप्रतिनिधि नजर नहीं आए। कई जगह जनता ही ट्रैफिक संभालती नजर आई। लोग अपनी दुकानों और काम को छोड़कर जाम में फंसे हुए लोगों की मदद करते रहे। लसूड़िया थाने के सामने ही पूरा रोड कई घंटों से जाम था। जब टीआई तारेश सोनी से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि जितना पुलिस फोर्स दिया गया है वह दिनरात जाम खुलवा रहा है लेकिन जाम फिर भी नहीं रुक रहा है। जाम की वजह से किसान की जान चली गई है। किसान का नाम कमल पांचाल (62), निवासी सैटेलाइट टाउनशिप, बिजलपुर है। नजदीकी रिश्तेदारों ने बताया कि गुरुवार को उनकी बहन की तेरहवीं का कार्यक्रम था।

राइट-गैरी से द्रविड़-फ्लेचर तक, पिछले 25 साल में इंग्लैंड में कौन सा भारतीय कोच रहा सबसे कामयाब?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला दो जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। इसको लेकर दोनों टीमों ने तैयारी शुरू कर दी है। लीड्स में पहला टेस्ट पांच विकेट से जीतने के बाद इंग्लिश टीम आत्मविश्वास से भरी होगी, जबकि शुभमन गिल के नेतृत्व वाली युवा भारतीय टीम की नजर वापसी कर सीरीज को 1-1 से बराबर करने पर होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर की देखरेख में टेस्ट में भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।

टीम ने कई मौकों पर शानदार खेल दिखाया, लेकिन मैच नहीं निकाल पाई। बतौर कोच इंग्लैंड में अपने पहले ही मैच में उन्हें और टीम को हार का मुंह देखना पड़ा। हालांकि, उनके पास अभी इस रिकॉर्ड को सुधारने के लिए चार और टेस्ट हैं। इंग्लैंड में जीत के मामले में भारत के सबसे कामयाब कोच रवि शास्त्री रहे हैं। वह ही इंग्लैंड में सबसे ज्यादा मैचों में भारत के मुख्य कोच भी रह चुके हैं। आइए जानते हैं कि साल 2000 से लेकर अब तक इंग्लैंड में सबसे कामयाब भारतीय कोच कौन रहे हैं...

भारत ने साल 2000 के बाद सबसे पहले 2002 में जॉन राइट की देखरेख में और सौरव गांगुली के नेतृत्व में इंग्लैंड का दौरा किया था। तब चार मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर रही थी। यानी जॉन राइट के कोच रहते भारत ने चार में से एक मैच जीता और एक में टीम को हार मिली। दो टेस्ट ड्रॉ रहे थे। इसके बाद टीम इंडिया ने 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में इंग्लैंड का दौरा किया। हालांकि, उस वक्त भारत का कोई कोच नहीं था और टीम को मैनेज चंदू बोर्डे कर रहे थे। बिना कोच के भारतीय टीम सीरीज जीतने में कामयाब रही थी। तीन मैचों

की टेस्ट सीरीज भारत ने 1-0 से अपने नाम की थी।साल 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी और गैरी कर्स्टन की कोचिंग में भारत ने इंग्लैंड का दौरा किया था। तब चार मैचों की सीरीज में भारत को 4-0 से शिकस्त मिली थी। यानी गुरू गैरी की देखरेख में भारत ने कोई मैच नहीं जीता और चारों के चारों मैच गंवाए। इसके बाद टीम इंडिया ने 2014 में धोनी की ही कप्तानी और डंकन फ्लेचर की कोचिंग में इंग्लैंड का दौरा किया। भारतीय टीम ने इस सीरीज की शुरुआत शानदार तरीके से की थी। पहला मैच ड्रॉ कराने के बाद दूसरा टेस्ट अपने नाम किया था। हालांकि, इसके बाद टीम इंडिया पटरी से उतर गई थी और आखिरी के तीन टेस्ट हार गई थी।

इसके बाद भारत ने 2018 और 2021 में रवि शास्त्री की कोचिंग में इंग्लैंड का दौरा किया था। हालांकि, 2021 में चार टेस्ट ही खेला जा सका था और फिर पांचवें टेस्ट को 2022 में शिफ्ट कर दिया गया था। तब रवि शास्त्री उस टेस्ट में कोच नहीं थे। यानी 2018 और 2021 में भारत ने उनकी कोचिंग में इंग्लैंड में कुल नौ टेस्ट खेले। साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021 का फाइनल भी खेला था। 2018 में भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज 4-1 से हार गई थी। तब विराट कोहली कप्तानी कर रहे थे। वहीं, 2021 में चार टेस्ट में भारत 2-1 से आगे रहा था। डब्ल्यूटीसी फाइनल में टीम इंडिया को हार मिली थी। यानी शास्त्री की कोचिंग में भारत ने इंग्लैंड में खेले 10 टेस्ट में से तीन में जीत हासिल की, जबकि छह में हार का सामना करना पड़ा। एक टेस्ट ड्रॉ रहा। वहीं, द्रविड़ की कोचिंग में भारत ने 2022 में 2021 सीरीज का बचा एक मैच और 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला था। हालांकि, टीम इंडिया को दोनों में हार मिली थी। अब गंभीर की कोचिंग में भारत एक मैच गंवा चुका है। हालांकि, मौजूदा सीरीज में गंभीर को अपनी उत्कृष्टता दिखाने के लिए अभी भी चार मैच बाकी हैं।

कृषि क्षेत्र का उत्पादन वित्त वर्ष 2024 में बढ़कर 29.49 लाख करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि और संबद्ध क्षेत्र से उत्पादन का सकल मूल्य (जीवीओ) वित्त वर्ष 2012 से वित्त वर्ष 2024 के दौरान स्थिर मूल्यों पर 54.6 प्रतिशत बढ़कर 29.49 लाख करोड़ रुपये हो गया। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के तहत आने वाले एनएसओ ने %कृषि व संबद्ध क्षेत्रों से उत्पादन के मूल्य पर सांख्यिकीय रिपोर्ट (2011-12 से 2023-24)% का वार्षिक प्रकाशन जारी किया है।

एनएसओ ने कहा, ÷स्थिर मूल्यों पर कृषि और संबद्ध क्षेत्र से सकल उत्पादन मूल्य (जीवीओ) ने 2011-12 में 1,908 हजार करोड़ रुपये से 2023-24 में 2,949 हजार करोड़ रुपये तक की स्थिर वृद्धि दिखाई है, जो लगभग 54.6 प्रतिशत की समग्र वृद्धि को दर्शाता है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में जीवीए 2011-12 से 225त्न बढ़ा इसमें आगे कहा गया है कि वर्तमान मूल्यों पर कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में लगभग 225 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो 2011-12 में 1,502 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 4,878 हजार करोड़ रुपये हो गई है। यह प्रकाशन एक व्यापक दस्तावेज है, जो 2011-12 से 2023-24 तक कृषि और संबद्ध गतिविधियों के फसल, पशुधन, वानिकी और लॉगिंग, और मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्रों के उत्पादन के मूल्यों पर वर्तमान और स्थिर (2011-12) दोनों मूल्यों पर विस्तृत जानकारी देता है। आंकड़ों के अनुसार, 15.95 लाख करोड़ रुपये के जीवीओ के साथ फसल क्षेत्र 2023-24 में 54.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के कुल जीवीओ (स्थिर मूल्यों पर) में सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना हुआ है। 2023-24 में अनाज और फल और सब्जियों का कुल मिलाकर कुल फसल जीवीओ में 52.5 प्रतिशत हिस्सा होगा। अनाजों में से केवल धान और गेहूं ही 2023-24 में सभी अनाजों के जी.वी.ओ. (स्थिर मूल्यों पर) का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा होंगे। पांच राज्यों - उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना और हरियाणा - ने 2023-24 में अनाज के जीवीओ (स्थिर मूल्यों पर) में लगभग 53 प्रतिशत का योगदान दिया। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, कम हिस्सेदारी (2011-12 में 18.6 प्रतिशत से 2023-24 में 17.2 प्रतिशत) के साथ, उत्तर प्रदेश ने शीर्ष स्थान बनाए रखा है। फल समूह में 2023-24 में केले का स्थिर मूल्य जीवीओ (47,000 करोड़ रुपये) आम (46,100 करोड़ रुपये) से आगे निकल गया है। 2011-12 से 2021-22 तक लगातार फल समूह में जीवीओ (स्थिर मूल्यों पर) में आम का सबसे अधिक योगदान रहा है। सब्जी समूह के जीवीओ (स्थिर मूल्यों पर) में 2011-12 से 2023-24 के दौरान आलू का योगदान सबसे अधिक रहेगा। आलू का जीवीओ 2011-12 में 21,300 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 37,200 करोड़ रुपये हो गया है।इसके अलावा, फूलों की खेती ने स्थिर मूल्यों पर जीवीओ में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया, जो 2011-12 में 17,400 करोड़ रुपये से लगभग दोगुना होकर 2023-24 में 28,100 करोड़ रुपये हो गया, जो बागवानी में बढ़ती वाणिज्यिक रुचि और विविधीकरण को दर्शाता है।

भारत में रूसी थर्मल कोयले की मांग में उछाल, मई में आयात 1.3 मिलियन टन के उच्च स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने मई 2025 में रूस से थर्मल कोयले का आयात बढ़ाकर दो वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया है। यह जानकारी रूसी व्यापारिक दैनिक समाचार पत्र कोमर्सांट ने दी। कोमर्सेंट ने रूसी मूल्य सूचकांक केंद्र (सीसीआई) की व्यावसायिक समीक्षा का हवाला देते हुए बताया कि भारत ने मई में रूस से 1.3 मिलियन मीट्रिक टन कोयले का आयात किया। यह अप्रैल की तुलना में 52 प्रतिशत अधिक है। रिकॉर्ड से पता चला कि जून 2023 से रूस से मासिक निर्यात 1 मिलियन टन से अधिक नहीं हुआ है। विशेषज्ञों ने इस वृद्धि का श्रेय रूसी निर्यातकों की लचीली मूल्य नीति और उच्च गुणवत्ता वाले कोयले को दिया है। हालांकि, बढ़ते घरेलू उत्पादन और लॉजिस्टिक्स की उच्च लागत के कारण भारत में रूस की बाजार हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना नहीं है। फिर भी विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान शिपमेंट स्तर को बनाए रखना पूरी तरह संभव है। रिपोर्ट में बिगमिंट के आंकड़ों का हवाले से कहा गया कि भारत का कुल थर्मल कोयला आयात मई में 17.4 मिलियन टन तक पहुंच गया। यह जून 2024 के बाद का उच्चतम स्तर है। इसमें रूस की हिस्सेदारी करीब 7.5 प्रतिशत रही। इंडोनेशिया अब भी भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। इसने पिछले महीने की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 9.8 मिलियन टन कोयला निर्यात किया। दक्षिण अफ्रीका से आयात अप्रैल के स्तर 3.4 मिलियन टन पर बना रहा, जबिक अमेरिका से कोयले की आपूर्ति 43 प्रतिशत बढ़कर 2 मिलियन टन हो गई। सीसीआई के निदेशक एवगेनी ग्राचेव ने कहा कि रूसी कोयला निर्यातकों ने मौजूदा अनुबंधों की सीमाओं के भीतर ही उत्पादन मात्रा में वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि भारत में मानसून जल्दी शुरू हो गया है। इससे थर्मल उत्पादन में गिरावट देखने को मिल सकती है। नेशनल क्रेडिट रेटिंग्स के निदेशक नरीमन ताइकेंटायेव ने बताया कि बाजार की अनुकूल स्थितियों के चलते भारत ने कम कैलोरिफिक वैल्यू वाले इंडोनेशियाई कोयले की तुलना में उच्च गुणवत्ता वाले रूसी कोयले को प्राथमिकता दी।

भारत में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा; मई 2025 में 3.24 मिलियन की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा हुआ है। यह अप्रैल के अंत में 1,203.84 मिलियन से बढ़कर मई 2025 के अंत में 1,207.08 मिलियन हो गई। इसमें 0.27 प्रतिशत की मासिक वृद्धि हुई है। संचार मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार मई महीने के दौरान उपभोक्ताओं की कुल संख्या में 3.24 मिलियन का उछाल आया।

शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या अप्रैल 2025 के अंत में 667.19 मिलियन से बढ़कर मई 2025 के अंत में 669.69 मिलियन हो गई। इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या भी 536.65 मिलयन से बढ़कर 537.39 मिलियन हो गई। मई 2025 के दौरान शहर टेलीफोन उपभोक्ताओं में 0.37 प्रतिशत की मासिक वृद्धि हुई। वहीं, ग्रामीण इलाकों में 0.14 प्रतिशत की मासिक वृद्धि हुई।

भारत में समग्र टेली -घनत्व अप्रैल 2025 के अंत में 85.19 प्रतिशत से बढ़कर मई 2025 के अंत में 85.36 प्रतिशत हो गई। शहरी दूरसंचार घनत्व अप्रैल के अंत में 131.46 प्रतिशत से बढ़कर मई के अंत में 131.76 प्रतिशत हो जाएगा। वहीं, इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 59.26 से बढ़कर 59.33 प्रतिशत हो गई। समग्र टेली -घनत्व, किसी क्षेत्र में प्रति 100 व्यक्तियों पर टेलीफोन कनेक्शन की संख्या को दर्शाता है। मई 2025 के अंत में कुल उपभोक्ताओं में शहरी और ग्रामिण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 55.48 प्रतिशत और

44.52 प्रांतशत थी। मई 2025 के अत में दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम दूरसंचार घनत्व 274.29 प्रतिशत था और बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम दूरसचार घनत्व 57.57 प्रांतशत था। दूरसंचार घनत्व का मतलब है प्रति 100 व्यक्तियों पर उपलब्ध दूरसंचार कनेक्शन की संख्या। मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) की बात करें तो मई 2025 में 14.03 मिलियन उपभोक्ताओं ने ऑपरेटर परिवर्तन की इच्छा जताई। मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) एक ऐसी सुविधा है जो आपको अपना मोबाइल नंबर बदले बिना एक ऑपरेटर से दूसरे ऑपरेटर पर स्विच करने की अनुमति देती है। जुलाई 2015 से देश में अंतर-सेवा क्षेत्र एमएमपी लागू किया गया, जिससे मोबाइल उपभोक्ताओं को एक सेवा क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाने पर भी अपना मोबाइल नंबर बरकरार रखने की सुविधा मिली। भारत में मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को हरियाणा सेवा क्षेत्र में नवंबर 2010 में और देश के शेष भागों में जनवरी 2011 में लागू किया गया।

परम् संतोष श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के 21 वे स्थापना दिवस पर हुआ अभिषेक हवन पूजन

छिंदवाड़ा। शहर के मध्य स्थित भक्तो की आस्था का केंद्र परम् संतोष श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर का आज 21 वा स्थापना दिवस मनाया गया एवं अभिषेक हवन पूजन किया गया। इस अवसर पर श्री ओम प्रकाश गुप्ता,प्रभुनारायण नेमा,अरविंद नेमा,राजेश नेमा,अंशुल गुप्ता, श्रीमती प्रतिमा नेमा,श्रीमती आशा गुप्ता, पूजा गुप्ता सहित अनेको श्रद्धालु जन उपस्थित थे

कांग्रेस सेवादल ने ई अटेंडेंस लगाए जाने का किया विरोध

छिन्दवाड़ा। मप्र की भाजपा सरकार में आए दिन तुगलकी फरमान जारी किए जा रहे हैं जिससे शासकीय सेवकों की नौकरी के दौरान उलझने बढ़ती जा रही है। विगत माह भाजपा सरकार के द्वारा शिक्षकों को ई अटेंडेंस लगाने के फरमान जारी किए गए हैं जिससे शिक्षक वर्ग में खास आक्रोश पनप रहा है। कांग्रेस सेवादल ने शिक्षकों के हित में ई अटेंडेंस का विरोध करते हुए इसे तत्काल वापिस लेने की मांग की है। कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार पहले ही शिक्षकों से शिक्षण कार्य की बजाए सारे कार्य करा रही है इससे शासकीय स्कूलों में शिक्षा का स्तर गिर रहा है जिस पर सुधार के लिए कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जाना सरकार की बड़ी लापरवाही है, अब ई अटेंडेंस के माध्यम से शिक्षकों को प्रताड़ित किया जा रहा है जिसका कांग्रेस सेवादल ने विरोध किया और ई अटेंडेंस पर तत्काल रोक लगाने व पूर्व की भांति ही अटेंडेंस लगाने की मांग की है।

जिले में अभी तक 138.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 138.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 130.1 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 27 जून 2025 को प्रात: 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 34.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 27 जून 2025 को प्रात: 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील छिंदवाड़ा में 29.8, मोहखेड़ में 83.3, अमरवाड़ा में 65, चौरई में 17, हर्रई में 5.8, बिछुआ में 15.6, परासिया में 14.2, जुन्नारदेव में 35.6, चांद में 44.6 और उमरेठ में 71.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 133.2, मोहखेड़ में 188.5, तामिया में 95, अमरवाड़ा में 186, चौरई में 117.8, हर्रई में मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

नगरपालिका में व्याप्त जनसमस्याओं व अनियमिताएं को लेकर मिले कांग्रेसी

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के परासिया शहर में व नगरपालिका में व्याप्त जनसमस्याओं और अनियमिताएं को लेकर आज कांग्रेसी ने नगरपालिका में नवीन प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी भरत गजभिए से मिले इस दौरान ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कमल राय नगर कांग्रेस अध्यक्ष नेताप्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह विधायक प्रतिनिधि आशीष सिकंदरपुरे पार्षद पुनम कैथवास पार्षद रुक्मा बसोड पार्षद नीलोफर खान पार्षद ब्रजेश भालवी पार्षद पूजा मरकाम पार्षद प्रतिमा बैस पार्षद प्रतिभा सोनी पार्षद सावित्री वर्मा सहित पूर्व सांसद प्रतिनिधि अशोक शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखलाक खान नगर कांग्रेस सचिव पप्पू मरकाम ने कहा की शहर में सफाई व्यवस्था भगवान भरोसे हफ्तों वार्डों में साफ़ सफाई नहीं हो रही कचरा हफ्तों नहीं उठ रहा है वहीं टीप्पर वाहन आधे महीने में एक बार जा रहा है धरो में कचरे का ढेर लगा हुआ है बरसात में कचरे के ढेर बदबू आना बीमारी फैलना की शिकायत आ रही है नाली नाले जाम से धरो में पानी धुसना की शिकायत आ रही है वहीं लगातार कई सालों से खदान का खराब पानी शहर में सप्लाई हो रहा है जिससे लोगों को स्वास्थ्य में असर पड़ रहा शहर में अधिकांश वार्डों लाईट बंद है वहीं निमार्ण कार्य आधे अधूरे पड़े वार्ड क्रमांक 2,3,18,20 सहित अन्य वाडो में रोड सहित नाले आधे बने हुए है जिससे लोगों को भारी तकलीफ़ हो रही है वहीं छोटे अतिआवश्यक काम और छोटे मोटे जनहित के निमार्ण रिपेयरिंग काम तक नगरपालिका में नहीं हो पा रहे हैं वहीं नगरपालिका में भ्रष्टाचार की लगातार शिकायत जांच हो रही है

पौनार के पटवारी के साथ जातिगत शब्दों की गालियां देकर मारपीट पर हुआ उतारू

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा तहसील के ग्राम पौनार हल्का नंबर 63 के के पटवारी जय सिंह उइके जब राजस्व निरीक्षक कार्यालय पौनार में दोपहर करीब 12 बजे बैठकर किसानो के फार्मर ,आईडी, केवाईसी, के कार्य कर रहे थे उसी समय ग्राम पौनार का ही रहने वाला कमलेश नामक व्यक्ति आया और शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए बोलने लगा की ,मेरे खसरा नंबर में कुआं दर्शित क्यों नहीं कर रहा है पटवारी बोला तुम्हारा प्रकरण तहसील से मेरे पास आते ही मैं तुम्हारा खतरे में कुआं दर्शित कर दूंगा इतना सुनते ही कमलेश ताव में आ गया और पटवारी को जाति सूचक शब्दों के साथ गंदी गंदी गालियां देकर मारपीट पर उतारू हो गया, कार्यालय में बैठे हुए किसानों एवं कोटवार ने कमलेश को पकड़कर बाहर ले गए। बाहर जाते - जाते कमलेश बोल रहा था यदि मेरे खसरे में तूने कुआं यदि दर्शित नहीं किया तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा ।

11 वाहनों से 4500 रुपए समन शुल्क वसूले

अमरवाड़ा। छिंदवाड़ा मार्ग पर बिना लाइसेंस मोटरसाइकिल चलाने वाले चालकों एवं चार पहिया वाहन को बिना सीट बेल्ट लगाएं वाहन चलाने वाले बालों के विरुद्ध थानेदार विजेंद्र मार्को सहायक उप निरीक्षक रवि मालवी एन एस बघेल आरक्षक करण रघुवंशी ने ऐसे 11 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई कर 4500 रुपए समन शुल्क वसूल किया ।

भगवान जगन्नाथ की निकली रथयात्रा हजारों श्रद्धालुओं ने खींचा रथ

50 लोक कलाकारों ने दी प्रस्तुति, पातालकोट की सांस्कृतिक झलक दिखी

छिंदवाड़ा। शहर में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई। भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा देवी की परंपरागत रथयात्रा निकाली गई। यह धार्मिक परंपरा शहर में लगातार 11 वर्षों से निभाई जा रही है। रथयात्रा की शुरूआत दोपहर 2 बजे छोटी बाजार स्थित पुराने पावर हाउस से हुई जो लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंचकर धूप आरती और विश्राम किया गया। इस बाद भगवान को विजय आनंद दुबे के निवास जगन्नाथ आराधना स्थली ले जाया गया।

इस बार भगवान की विशेष प्रतिमा श्रद्वालुओं के लिए आकर्षण का केन्द्र रही रथयात्रा में पातालकोट से आए 50 लोक कलाकारों ने जिले की सांस्कृतिक झलक पेश की जिससे माहौल भक्तिमय हो गया। रथयात्रा से पहले तीन दिवसीय पूजन महात्सव हुआ। इसमें नवयौवन संस्कार, नेत्रोत्सव और श्रंगार पूजा सहित पारंपरिक अनुष्ठान किए गए। बुधवार से शुरू हुए आयोजन में कलश स्थापना, मंगला आरती और छप्पन भोग जैसे धार्मिक कार्यक्रम हुए।

इस्कॉन की ओर से भी निकली रथयात्रा

छिंदवाड़ा के इस्कॉन मंदिर की ओर से भी विशेष हाइड्रोलिक रथ में रथयात्रा निकाली गई यह शनिचरा बाजार से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई परासिया रोड स्थित पूजा लॉन पहुंची यहां महाआरती और 56 भोग अर्पित किए गए। हरिनाम संकीर्तन में भक्तों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। रथयात्रा में सुबह से ही श्रद्वालु जुटने लगे थे। भक्तों का मानना है कि भगवान के रथ को खींचने से पुण्य मिलता है और जीवन में सुख शांति आती है।

डीआरएम ने इतवारी-छिंदवाडा-सिवनी रेल खंड पर ट्रैक, संरचनाओं एवं यात्री सुविधाओं का किया निरीक्षण

छिंदवाड़ा। ट्रेनों के सुरक्षित व संरक्षित परिचालन सुनिश्चिता तथा विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं का जायजा लेने की कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक- दीपक कुमार गुप्ता द्वारा 27 जून को इतवारी-छिंदवाडा-सिवनी सेक्शन का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने छिंदवाडा एवं सिवनी में अमृत भारत योजना से सम्बंधित यात्री सुविधाओं का जायजा लिया एवं इस खंड पर सुरक्षा, संरक्षा एवं अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण सुबह 07.30 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी स्टेशन से विशेष निरीक्षण यान (स्पीक) के माध्यम से प्रारंभ हुई। मंडल रेल प्रबंधक द्वारा विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान इतवारी-छिंदवाडा-सिवनी रेलखंड पर खापरीखेडा, सौसर, सावनेर, लिंगा आदि स्टेशनों का निरिक्षण, ट्रैक व संरचनाओं की स्थिति का अवलोकन एवं छिंदवाड़ा एवं सिवनी स्टेशनों का विस्तृत निरीक्षण किया। साथ ही छिंदवाड़ा में रेलवे हॉस्पिटल,लॉबी,रनिंग रूम का गहन निरीक्षण कर रनिंग स्टाफ हेतु उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक सहित अधिकारियों द्वारा स्वच्छ और हरित वातावरण हेतु स्टेशनों के परिसर में व्यापक रूप से वृक्षारोपण किया गया। इस निरीक्षण में संबंधित शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारीगण मंडल रेल प्रबंधक महोदय के साथ उपस्थित रहे। निरीक्षण का उद्देश्य परिचालन, सुरक्षा, संरक्षा एवं स्टाफ कल्याण से जुड़ी सुविधाओं की समीक्षा कर उनमें आवश्यक सुधार सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे यात्रियों एवं रनिंग स्टाफ/रेलकर्मियों को और अधिक बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें। साथ ही, मानसून के दौरान संवेदनशील स्थलों की पहचान कर संभावित असुविधाओं को दूर करने तथा अत्यधिक वर्षा या आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

सांसद जिलेवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाली के लिए कर रहे पदयात्रा

सांवरी बाजार से शुरू हुई दूसरे दिन की पदयात्रा

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने पदयात्रा में बड़ी संख्या में चल रहें पदयात्रियों के साथ सांवरी बाजार से अपनी दूसरे दिन की पदयात्रा की शुरूआत की।पदयात्रा के दौरान मां नर्मदा के जलकलश को पदयात्रा के साथ चल रहे रथ में रखा गया है। जिसकी जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणो द्वारा पुजा अर्चना की जा रही है। पदयात्रा के दौरान सांसद श्री साहू मार्ग में पड़ने वाले गांवों और कस्बों में वरिष्ठजनों एवं माताओं से आर्शीवाद भी प्राप्त कर रहे है। सांसद श्री साहू जिलेवासियों के लिए सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना क? लेकर यह पदयात्रा कर रहे है।सांसद श्री साहू गुरूपुर्णिमा के अवसर पर खंडवा में विधि विधान से पुजा अर्चना करके जिलेवासियों के लिए सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना करेंगे। छिन्दवाड़ा से खंडवा तक की 411 किमी की 14 दिवसीय पदयात्रा के दुसरे दिन सांवरी बाजार से पदयात्रा प्रारंभ होकर टेमनी, जुनापानी, बंजारीमाई, प्रधानघोघरी, लावाघोघरी, चूड़ाबोह, मैनीखापा जोड़, लोनादेवी, कोड़िया, सिलाई ढाना होते हुए पाठई पहुंची, पाठई में सांसद साहू ने पदयात्रियों के साथ रात्रि विश्राम किया। विदित ह? कि सांसद श्री साहू ने छिन्दवाड़ा से खंडवा तक 14 दिवसीय पदयात्रा की शुरूआत 26 जून गुरूवार को की थी। सांसद श्री साहू अपने चौथे संकल्प को पूरा करने के लिए 14 दिन की पदयात्रा कर रहे है। इस 14 दिवसीय पदयात्रा के दौरान सांसद श्री साहू बारिश के मौसम में पचासों गांव एवं घने जंगलों से होते हुए अपने दृढ़ संकल्प के साथ इस पदयात्रा में चल रहे है। सांसद ने इसके पूर्व उनके पहले संकल्प में छिन्दवाड़ा से जामसांवली तक 61 किमी, दूसरे संकल्प में भूराभगत से महादेव मंदिर तक 17 किमी की चढ़ाई एवं 17 किमी की वापसी कुल 34 किमी एवं तीसरे संकल्प में छिन्दवाड़ा से सिहोरामाल में स्थित रामेश्वर धाम 22 किमी तक पदयात्रा की थी। इसमें भी सांसद ने जिलेवासियों के लिए सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की थी। तीसरे दिन की पदयात्रा के लिए तय मार्ग के अनुसार पदयात्रा पाठई से प्रारम्भ होकर सोनपठार, ढोलनखापा, पठारा, पिटेर रैयत, पौनार, बंधान, नानंदवाडी होते हुये अम्बाडा पहुंचेगी, अम्बाडा में सांसद साहू पदयात्रियों के साथ रात्रि विश्राम करेंगे।

मग्गीबाई की हत्या के आरोप से महेंद्र कुमार को किया दोषमुक्त

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा थाना अंतर्गत भूमकाघाट के जंगल घटोरी परासिया रोड में दिनांक 22/05/2024 को एक महिला का शव मिला था, जिसकी पहचान सिंगोड़ी निवासी मग्गीबाई चंद्रवंशी के रूप में हुई जोकि सिंगोडी अंग्रेजी शराब दुकान में खाना बनाने का काम करती थी, मृतका अपने घर से अंग्रेजी शराब दुकान गई थी जिसके बाद वह अपने घर नहीं पहुंची थी। तीन दिन बाद उसका शव भूमका घाटी के जंगल में मिला था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया। पुलिस के द्वारा जांच कर मृतका का दूर के रिश्तेदार प्रेमलाल पिता द्वारका चंद्रवंशी को आरोपी बनाकर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उक्त प्रकरण अमरवाड़ा के अपर जिला एवं सत्र न्यायालय में लगभग 1 वर्ष चला आरोपी की और से पूरे प्रकरण में पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता सुबोध श्रीवास्तव, अधिवक्ता नूपुर विश्वकर्मा, अधिवक्ता अंशुल जैन अधिवक्ता नीतेश प्रजापति के द्वारा की गई। जिसमें पाया गया कि आरोपी प्रेमलाल ने मग्गीबाई की हत्या नहीं की थी, उसे झूठा फंसाया गया था। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेंद्र कुमार उईके ने प्रेमलाल पिता द्वारका चंद्रवंशी को बहुचर्चित अंधे हत्याकांड में दोषमुक्त किया। दोषमुक्त आरोपी प्रेमलाल के पिता द्वारका चंद्रवंशी एवं उसके परिवार के सदस्यों ने न्यायालय का आभार माना।

शपथ पत्र मांगने का अधिकार कोर्ट को निगम को नहीं: विजय पांडे

छिंदवाड़ा। शहर में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना बांटे गए घटिया सामान के मामले में निगम प्रशासन ने 25 जून का पार्षद से एफिडेविट मांग कीया इस पर शुक्रवार को पार्षद विजय पांडे ने लिखित जवाब दिया कि शपथ पत्र मांगने का अधिकार केवल कोर्ट को है निगम को नहीं। पत्रकारों से चर्चा करते हुए पार्षद विजय पांडे ने आरोप लगाया कि निगम कार्रवाई करने की बजाय सप्लायर्स को भुगतान करना चाहता है। उल्लेखनीय है कि 13 मार्च 2023 को शहर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम हुआ था। जिसमें शराब क्वालिटी की सामग्री बांटने के लिए बुलाई गई थी। पार्षदों ने उस समय विडियोग्राफी, फोटग्राफी और पंचनामा बनाकर तत्कालीन कलेक्टर और मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी थी। प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने भी सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पार्षद श्री पांडे का आरोप है कि नगर निगम ने सप्लायर्स को दो समूहों की सामग्री अमानक बताते हुए उसे वापस ले जाने को कहा जबकि नियमों के अनुसार इस जब्त करना चाहिए था।

संगठन सृजन अभियान संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करेगा:कांग्रेस

पर्यवेक्षकों ने चौरई व हर्रई में ली कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक

छिन्दवाड़ा। संगठन सृजन अभियान कांग्रेस के दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अभियान ना केवल संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करेगा, बल्कि समस्त स्तरों पर कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के साथ ही एक नई ऊर्जा व उत्साह प्रदान करेगा। उक्त उदगार पर्यवेक्षकों के दल ने चौरई व हर्रई में कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक व व्यक्तिगत चर्चा के दौरान व्यक्त किए। संगठन सृजन अभियान के लिए नियुक्त पर्यवेक्षकों के दल ने चौरई विधानसभा के ब्लॉक चौरई के सभी अनुसांगिक संगठनों, समस्त प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्षों की बैठक ली, जिसमें उन्होंने विभिन्न संगठनात्मक बिन्दुओं पर चर्चा की। पर्यवेक्षक संजय कपूर ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी का संगठन सृजन अभियान के माध्यम से संगठन के नव सृजन पर ध्यान केन्द्रित है। पर्यवेक्षक सुरेन्द्र चौधरी ने कहा कि संगठित होकर ही सृजन संभव है। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ के सतत प्रयासों से छिन्दवाड़ा जिला कांग्रेस संगठित व सृजित होने के साथ ही सक्रिय भी है, इसके प्रमाण विगत दौरे व गत बैठकों में सामने आ चुका है।पर्यवेक्षक सुनील जायसवाल ने उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि माननीय कमलनाथ जी ने अपने जीवन के 46 वर्षों में संगठन को सशक्त करने का काम किया है। उनके नक्शे कदम पर चलते हुए माननीय नकुलनाथ जी भी जिला कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त करने में सतत सक्रिय है, हमें आवश्यकता है नेताद्वय की मंशा पर खरा उतरने की। पर्यवेक्षक श्री अभिनव ढिमोले ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है ताकि कांग्रेस को और अधिक मजबूत कर सकें।

कांग्रेस सेवादल ने ई अटेंडेंस लगाए जाने का किया विरोध

छिन्दवाड़ा। मप्र की भाजपा सरकार में आए दिन तुगलकी फरमान जारी किए जा रहे हैं जिससे शासकीय सेवकों की नौकरी के दौरान उलझने बढ़ती जा रही है। विगत माह भाजपा सरकार के द्वारा शिक्षकों को ई अटेंडेंस लगाने के फरमान जारी किए गए हैं जिससे शिक्षक वर्ग में खास आक्रोश पनप रहा है। कांग्रेस सेवादल ने शिक्षकों के हित में ई अटेंडेंस का विरोध करते हुए इसे तत्काल वापिस लेने की मांग की है। कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार पहले ही शिक्षकों से शिक्षण कार्य की बजाए सारे कार्य करा रही है इससे शासकीय स्कूलों में शिक्षा का स्तर गिर रहा है जिस पर सुधार के लिए कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जाना सरकार की बड़ी लापरवाही है, अब ई अटेंडेंस के माध्यम से शिक्षकों को प्रताड़ित किया जा रहा है जिसका कांग्रेस सेवादल ने विरोध किया और ई अटेंडेंस पर तत्काल रोक लगाने व पूर्व की भांति ही अटेंडेंस लगाने की मांग की है।

स्वच्छता एवं नशामुक्ति की शपथ दिलाई

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस मनाया

छिन्दवाड़ा। छिंदवाड़ा के नेतृत्व में एवं कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं जिला चिकित्सालय द्वारा संयुक्त रूप से जिला चिकित्सालय ऑडिटोरियम में आज अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से नगरपालिक निगम महापौर विक्रम अहके, मुख्य अतिथि शेषराव यादव एवं अन्य जनप्रतिनिधि व पार्षदगण के साथ ही सिविल सर्जन छिन्दवाडा डॉ.नरेश गोन्नाडे, जिला समन्वयक सामाजिक न्याय अनिल भारती, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अंशुल साबले, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्रीमती लीना उईके, प्रशासनिक अधिकारी जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र पंचलाल चन्द्रवंशी एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ.पवन नेमा द्वारा निर्देशित नशामुक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक से किया गया, इसके बाद शासकीय कलापथक दल के प्रमुख कलाकार नरेन्द्र पाल द्वारा मंच संचालन एवं नशामुक्ति पर आधारित कविताओं का पाठ किया गया। इस अवसर पर नगरपालिक निगम महापौर विक्रम अहके व मुख्य अतिथि शेषराव यादव द्वारा उद्बोधन दिया जाकर स्वच्छता एवं नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई।

युवा उद्यमियों और स्वसहायता समूहों को 35 करोड़ से अधिक के ऋण वितरित

रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉनक्लेव का जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न

छिन्दवाड़ा। रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉनक्लेव के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को रतलाम जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के तारतम्य में जिले में भी शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉनक्लेव के जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन एफ. डी.डी.आई.छिंदवाड़ा में आयोजित किया गया। जिसमें जिले के उद्योगपतियों और सफल उद्यमियों ने सहभागिता करते हुए अपने अनुभव और सफलता की कहानियां मंच से साझा कर युवाओं को प्रेरित किया, तो वहीं युवाओं ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता कर मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना सहित विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं की जानकारी का लाभ उठाया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित स्व-रोजगार योजनाओं के तहत युवाओं और स्व-सहायता समूहों को 35 करोड़ 33 लाख रुपए की ऋण राशि वितरित की गई। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा कंपनियों के ऑफर लेटर 12 युवक, युवतियों को और आई.टी.आई. छिंदवाड़ा द्वारा सीखो कमाओ योजना के अंतर्गत 5 युवाओं को सर्टिफिकेट एवं 5 युवाओं को कंपनियों के ऑफर लेटर प्रदाय किए गए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी, स्व-सहायता समूहों के स्टॉल भी लगाए गए थे। जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नगरपालिक निगम महापौर श्री विक्रम अहके व श्री शेषराव यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह ने मां सरस्वती का पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। जिसके बाद कन्याओं का पूजन कर, उन्हें उपहार भेंट करते हुए कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई।

कार्यक्रम में प्रभारी अपर कलेक्टर अंकिता त्रिपाठी, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र छिंदवाड़ा श्री आर.एस.उईके, जिला रोजगार अधिकारी सुश्री माधुरी भलावी सहित स्व रोजगार योजनाओं से संबंधित सभी विभाग प्रमुख, श्री सुधीर शर्मा सचिव लघु उद्योग भारती छिंदवाड़ा इकाई, श्री आर द्रविड़ अध्यक्ष लघु उद्योग भारती मोरगावं इकाई, श्री वामन ठोंबरे सचिव लघु उद्योग भारती बोरगांव इकाई, श्री अजय कमार अग्रणी जिला प्रबंधक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, श्रीमती रेखा अहिरवार जिला परियोजना प्रबंधक एसआरएलएम, श्री सी.बी.उइके प्राचार्य शासकीय आई.टी.आई. छिंदवाड़ा, श्री उमेश पयासी सिटी मिशन मेनेजर जिला शहरी विकास अभिकरण छिंदवाड़ा, श्री महेन्द्र तुर्कर प्रभारी अधिकारी आदिवासी वित्त विकास निगम छिंदवाड़ा तथा जिले के उद्योगपति, सफल उद्यमी, स्व-सहायता समूह के सदस्य और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

इस अवसर पर महापौर विक्रम अहके ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि राज्य सरकार उद्योग और स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के प्रति प्रतिबध्द हैं। मुख्यमंत्रीजी स्वयं युवाओं से सीधा संवाद कर इसके लिए उन्हें प्रेरित कर रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। हर योग्यता वाले युवाओं और बेरोजगारों को ध्यान में रखकर योजनाएं चलाई जा रही हैं। शेषराव यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार पूरी दुनिया से उद्योग प्रदेश में लाने की दिशा में कार्य कर रही है, साथ ही यहां के उद्योगपतियों को भी बढ़ावा देने और नए उद्योगों की स्थापना की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के बाद अब युवाओं को रोजगार, स्व-रोजगार से जोड़कर प्रदेश और देश का समग्र विकास किया जा रहा है। युवा इन अवसरों का लाभ जरूर उठाएं।

जान हथेली में रखकर चला रहे अमरवाड़ा की 108 एम्बुलेंस

तार छोड़े हुए और गुब्बा निकले हुए टायर का हो रहा है एंबुलेंस में प्रयोग, इंजन से निकल रहा तेल

अमरवाड़ा। शासन की सबसे महत्वपूर्ण योजना संजीवनी 108 एंबुलेंस को जरूरतमंदों के लिए एक्सीडेंट में घायलों के लिए चालू की गई थी लेकिन अमरवाड़ा की संजीवनी 108 एंबुलेंस आज खुद बीमार हो गई है और जो अपने इलाज के लिए मोहताज है आपको बता दें कि अमरवाड़ा की संजीवनी 108 के टायर पूरी तरीके से खराब हो चुके हैं और जिन्होंने तार छोड़ दिए हैं और वही इंजन में से आई टपक रहा है इस वजह से संजीवनी 108 के चालक जान जोखिम में डालकर एंबुलेंस का संचालन कर रहे हैं और यह स्थिति कोई भी देख सकता है जब एंबुलेंस चलती है तो पुरी रोड में मिल टपकते हुए जाता है और टायर की स्थिति भी देखी जा सकती है इस परिस्थिति में एंबुलेंस के पायलट तेज गति से एंबुलेंस का संचालन नहीं कर पाते हैं और कई बार जब लंबे रूट के लिए कॉल आता है तो जाना काफी मुश्किल भरा होता है और समय से मरीजों को एंबुलेंस सेवा का लाभ नहीं मिल पाता है और मरीज और जरूरतमंदों को परेशान होना पड़ता है इस वजह से एंबुलेंस के पायलट और उसके सहयोगियों को भी संबंधित व्यक्ति द्वारा अभद्र व्यवहार किया जाता है।

भोपाल। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने समान में भवन में महिला सम्मेलन का आयोजन किया। ऑल इंडिया फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज कौशिक ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने हर क्षेत्र में महिलाओं के बढ़ते कदमों की सराहना की।

पीड़ित युवक ने कहा, मल खिलाने की बात गलत, कांग्रेस नेता जीतू के खिलाफ एफआईआर

अशोकनगर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ अशोकनगर जिले के मुंगावली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई एक वायरल वीडियो और पीड़ित के शपथ पत्र के आधार पर की गई है। थाना प्रभारी जोगिंदर सिंह यादव ने बताया कि यह एफआईआर शुक्रवार को दर्ज की गई। बताया गया कि 26 जून को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें अशोकनगर जिले के मूढ़रा बरवाह गांव के गजराज लोधी और उनके भाई रघुराज लोधी ने मारपीट और मानव मल खिलाने का आरोप लगाया था। रिपोर्ट के अनुसार, वीडियो वायरल होने के बाद गजराज लोधी ने कलेक्टर को दिए गए शपथ पत्र में स्वीकार किया कि मानव मल खिलाने की घटना झूठी थी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता उन्हें ओरछा ले गए, जहां जीतू पटवारी ने उन्हें अमानवीय घटना का झूठा बयान देने को कहा। बदले में मोटरसाइकिल और आर्थिक मदद का वादा किया गया था। शपथ पत्र के अनुसार, गजराज ने दबाव में आकर झूठा बयान दिया। जीतू पटवारी ने इस बयान का वीडियो बनवाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के इस कृत्य से विभिन्न जातियों और समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने का प्रयास किया गया। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फर्जी एफआईआर की कड़ी निंदा

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अशोकनगर में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ दर्ज फर्जी एफआईआर की कड़े शब्दों में निंदा करती है। यह एफआईआर न केवल भाजपा की तानाशाही और विपक्ष को कुचलने की साजिश को उजागर करती है, बल्कि पीड़ितों की आवाज को दबाने और सच्चाई को झूठ के नीचे दफन करने की उनकी घिनौनी रणनीति का जीता-जागता सबूत है। भाजपा और मोहन यादव सरकार का यह कृत्य लोकतंत्र पर काला धब्बा है, जिसे मध्यप्रदेश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

आज महापौर मालती राय ने जोन 12 वार्ड 43 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन 01 एमपी नगर में नालों की साफ सफाई का निरीक्षण किया साफ सफाई को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष निर्भय सिंह, व्यापारीगण एवं अधिकारी गण उपस्थित रहे।

पर्यावरण प्रेमी मंत्री प्रहलाद पटेल ने दादा गुरु का लिया आशीर्वाद, पेड़ लगाकर मनाया अपना जन्मदिन

नरसिंहपुर पर्यावरण प्रेमी नर्मदा भक्तपंचायत ग्रामीण एवं श्रम कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने अपने जन्मदिन पर दादा गुरु का आशीर्वाद लिया इसके साथ ही मंत्री ने अपने जन्मदिन पर भोरगढ़ में आशियाना संस्कार समिति व सहयोग युवा समिति द्वारा जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर मंत्री ने पौधरोपण किया।

प्रदेश के 12 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट, पांच दिन प्रदेश रहेगा तरबतर

भोपाल। मध्य प्रदेश में बारिश का स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव होने की वजह से लगातार तेज बारिश का दौर जारी है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बौछारें पड़ रही है। शनिवार को भी 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। रीवा, ग्वालियर और चंबल संभाग में असर सबसे ज्यादा रहेगा। मौसम विभाग ने ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भारी बारिश की चेतावनी दी है। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी बरस सकता है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत प्रदेश के अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।

पांच दिन तक मौसम में बदलाव नहीं

उत्तर-पूर्व और दक्षिणी हिस्से से दो टर्फ गुजर रही है। इसलिए उत्तरी और दक्षिणी जिलों में बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अगले 5 दिन तक मौसम में कोई बदलाव नहीं होगा। कहीं अति भारी तो कहीं भारी बारिश हो सकती है।

20 जिलों में बारिश, नौगांव में सबसे ज्यादा

प्रदेश में शुक्रवार को 20 से अधिक जिलों में बारिश हुई। छतरपुर के नौगांव में सबसे ज्यादा 1 इंच पानी गिरा। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को भोपाल, बैतूल, दतिया, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, इंदौर, खंडवा, रतलाम, उज्जैन, खजुराहो, नरसिंहपुर, रीवा, सतना, टीकमगढ़, बालाघाट, उमरिया, मऊगंज समेत कई जिलों में बारिश का दौर बना रहा।

मौसम के ये सिस्टम एक्टिव

एक ट्रफ उत्तर-पूर्व अरब सागर से दक्षिण गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ से होती हुई बंगाल की खाड़ी के उत्तरी-पश्चिमी क्षेत्र तक जा रही है। यहां पर लो प्रेशर एरिया (कम दबाव के क्षेत्र) के रूप में यह सक्रिय है। वहीं, एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन उत्तर-पूर्व मध्यप्रदेश में एक्टिव है।यही दो सिस्टम स्ट्रॉन्ग हैं, जो प्रदेश के आधे से ज्यादा हिस्से में बारिश करा रहे हैं।

एक दिन लेट पहुंचा था मानसून अब झमाझम बारिश

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अगले 5 दिन तक प्रदेश में तेज बारिश होने की संभावना है। बता दें कि इस बार देश में मानसून 8 दिन पहले ही आ गया था। अनुमान था कि मध्यप्रदेश में यह जून के पहले सप्ताह में ही आ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।15 दिन तक मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा रहा। इस वजह से एमपी में इसकी एंट्री नहीं हो पाई। 13-14 जून को मानसून आगे बढ़ा और एमपी में 1 दिन लेट हो गया। हालांकि, 3 दिन में ही मानसून ने प्रदेश के 53 जिलों को कवर कर लिया। एक दिन के ठहराव के बाद बाकी बचे 2 जिले- भिंड और मऊगंज में भी मानसून एंटर हो गया। इस तरह 5 दिन में ही मानसून ने पूरे प्रदेश को कवर कर लिया।

अगले 4 दिन मौसम करेगा तरबतर

28 जून: ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भारी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक बारिश होने का अनुमान है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत प्रदेश के अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।

29 जून: रीवा, सीधी, सिंगरौली, गुना, अशोकनगर में भारी बारिश की संभावना है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर में भी बारिश होने का अलर्ट है। पूरे प्रदेश में यलो अलर्ट है।

30 जून: मंडला, बालाघाट और शहडोल में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। यहां 24 घंटे में 8 इंच तक पानी गिरने का अनुमान है। सीहोर, विदिशा, रायसेन, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, दमोह, कटनी, उमरिया, डिंडौरी, अनूपपुर, सतना, सीधी में भारी बारिश हो सकती है। बाकी जिलों में भी बारिश का दौर जारी रहेगा।

1 जुलाई: गुना, अशोकनगर, सतना, शहडोल में अति भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं, ग्वालियर, जबलपुर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, शिवपुरी, सीहोर, विदिशा, सागर, रायसेन, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, कटनी, दमोह, पन्ना, रीवा, मऊगंज में भारी बारिश की संभावना है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन में भी बारिश का दौर जारी रहेगा।

प्रदेश में पदोन्नति नियम लागू होने के बाद

पांच तहसीलदारों को बनाया प्रभारी डिप्टी कलेक्टर

भोपाल। मध्य प्रदेश में नौ साल बाद नए पदोन्नति नियम लागू किए गए हैं। 31 जुलाई तक सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को पदोन्नतियां दी जानी हैं। इस बीच सामान्य प्रशासन विभाग ने पांच तहसीलदारों को प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बना दिया। जबकि, पदोन्नति की प्रक्रिया विभागों ने प्रारंभ कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग ने अलका एक्का तहसीलदार बैतूल को प्रभारी डिप्टी कलेक्टर पांढुर्णा, आलोक वर्मा तहसीलदार आगर मालवा को प्रभारी डिप्टी कलेक्टर शाजापुर, अनिल कुमार तलैया तहसीलदार छतरपुर को डिप्टी कलेक्टर पन्ना, बालकृष्ण मिश्रा तहसीलदार कटनी को प्रभारी डिप्टी कलेक्टर सतना और अनिल राघव तहसीलदार ग्वालियर को प्रभारी डिप्टी कलेक्टर ग्वालियर बनाया है। उच्च पद के प्रभार के लिए कोई अतिरिक्त वित्तीय लाभ नहीं दिया जाएगा। इन्हें राज्य प्रशासनिक सेवा के वेतनमान या क्रमोन्नति की पात्रता भी नहीं होगी।

जबकि पदोन्नति की प्रक्रिया को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने उच्च पद का प्रभार देने पर रोक लगा दी है, क्योंकि जब पदोन्नति होगी तो इनमें कई अधिकारी ऐसे भी होंगे जो पदोन्नत ना हो पाएं। तब विवाद की स्थिति न बने, इसलिए यह कदम उठाया है लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग ने अब तक इस संबंध में कोई आदेश जारी नहीं किए हैं। उधर मुख्य सचिव द्वारा पदोन्नति नियम के क्रियान्वयन को लेकर बुलाई गई बैठक में अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया, रश्मि अरुण शमी और प्रमुख सचिव गुलशन बामरा के सवाल उठाने पर सामान्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण संस्था के संस्थापक हीरालाल त्रिवेदी ने सवाल उठाए। शासन का अंग होने के नाते जिस विषय पर कैबिनेट में निर्णय हो चुका हो, उस पर इस तरह की बात नहीं होना चाहिए। सामान्य वर्ग के अन्य कर्मचारियों का भी कहना है कि हम प्रारंभ से ही यह बात कहते आए हैं कि आरक्षण से हमारा विरोध नहीं है लेकिन सामान्य वर्ग के पदों पर अनारक्षित वर्ग के लोगों को नहीं आना चाहिए, जबकि, नियम में वही प्रविधान किए गए हैं।

मप्र में लोन के बहाने डॉक्यूमेंट लेकर बनाई फर्जी कंपनियां, 34 करोड़ का जीएसटी घोटाला

जबलपुर। मध्यप्रदेश में ईओडब्ल्यू को करीब 34 करोड़ के फर्जीवाड़े के सबूत मिले हैं। दरअसल जीएसटी में इनपुट टैक्स क्रेडिट का फर्जीवाड़ा कर शासन को चूना लगाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ईओडब्ल्यू ने गिरोह के सरगना विनोद कुमार सहाय को झारखंड की राजधानी रांची के गिरफ्तार किया और शुक्रवार को जबलपुर जिला कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे 2 जुलाई तक रिमांड पर सौंपा है। ईओडब्ल्यू के अनुसार आरोपी ने इंदौर, भोपाल और जबलपुर के लोगों से लोन के बहाने डॉक्यूमेंट लेकर उनके नाम से फर्जी कंपनियां बनाई। इन कंपनियों में आरोपी ने कागजों में खरीदी-बिक्री दिखाकर 34 करोड़ का जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट लिया। जबलपुर के प्रताप सिंह लोधी की शिकायत पर वाणिज्य कर विभाग जबलपुर की सहायक आयुक्त वैष्णवी पटेल और ज्योत्सना ठाकुर ने अपनी रिपोर्ट में आपराधिक साजिश कर जीएसटी चोरी के संकेत दिए थे। इसके बाद ईओडब्ल्यू ने जांच की तो पाया कि विनोद कुमार सहाय ने 2019-2020 के दौरान प्रताप सिंह लोधी, दीनदयाल लोधी, रविकांत सिंह और नीलेश कुमार पटेल से संपर्क किया। वह खुद को पहले एनके खरे बताता था।

लोन के लिए जीएसटी रजिस्ट्रेशन जरूरी

आरोपी ने इन लोगों को यह कहकर झांसा दिया कि ऋण प्राप्त करने के लिए जीएसटी रजिस्ट्रेशन आवश्यक है। इस बहाने से आधार कार्ड, पैन कार्ड, फोटो, बैंक खाता स्टेटमेंट, कृषि भूमि से संबंधित दस्तावेज खसरा, किस्तबंदी खतौनी, ऋण पुस्तिका और बिजली बिल हासिल कर लिए। फिर उसने इन व्यक्तियों के नाम पर फर्जी फर्में बनाईं।

इन नाम पर कंपनियां रजिस्टर्ड कराई

प्रताप सिंह लोधी के नाम पर 7 फरवरी 2020 को मेसर्स मां नर्मदा ट्रेडर्स और दीनदयाल लोधी के नाम पर 13 अगस्त 2019 को मेसर्स नमामि ट्रेडर्स रजिस्टर्ड कराई। वहीं, रविकांत सिंह के नाम पर 19 फरवरी 2020 को मेसर्स मां रेवा ट्रेडर्स और नीलेश कुमार पटेल के नाम पर 26 फरवरी 2020 को मेसर्स अभिजीत ट्रेडर्स का रजिस्ट्रेशन कराया।

पासवर्ड-ईमेल अपने पास रखे

जांच के दौरान पता चला कि तक विनोद सहाय ने कुल 33 करोड़ 80 लाख 43 हजार 252 रुपए का फेक इनपुट टैक्स क्रेडिट लिया गया है। इन फर्मों में किसी भी प्रकार की वस्तु/ सेवा की वास्तविक आपूर्ति नहीं हुई है। आरोपी ने सभी रजिस्ट्रेशन आधार कार्ड, पैन, मोबाइल, ईमेल का दुरुपयोग कर किए है। एनके खरे उर्फ विनोद सहाय ने सभी फर्मों की आईडी-पासवर्ड, बैंक खाता, ईमेल अपने पास रखे। इन फर्मों से फर्जी बिल बनाकर दूसरी फर्मों को लगभग 34 करोड़ के टैक्स क्रेडिट पास ऑन किया गया।

ईओडब्ल्यू को जांच में नहीं मिली कंपनियां

ईओडब्ल्यू ने जांच में पाया कि इन पंजीकृत पतों पर कोई वास्तविक व्यवसायिक गतिविधि संचालित नहीं हो रही थी। ये फर्म केवल कागजों पर मौजूद थीं। विनोद सहाय ने इन फर्जी फर्मों के नाम पर करोड़ों रुपए की फर्जी आउटवर्ड सप्लाई (बिक्री) दर्शाई थी। फर्जी बिलों के आधार पर, उसने बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ अन्य व्यवसायियों को दिलाया। यह आईटीसी वास्तविक माल या सेवा के आदान-प्रदान के बिना ही जनरेट किया गया था।

चतुर्थ पुण्य स्मरण

29.06.2025

स्व.श्रीमती शशिप्रभा भट्ट

निःस्वार्थ प्रेम की मूरत, परिवार को बांधे रखने के लिए अपने जीवन को समर्पित किया, यादें ही तुम्हारी धरोहर हैं

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

दुखी हृदय -
पिता - पं. पी. एन. भट्ट
भाई - पं. शैलेन्द्र कुमार भट्ट
भाई - पं. दीपक कुमार भट्ट
मो- 9407266609
जी.ए.डी. कॉलोनी, गोपालगंज, सागर

शोकाकुल
पति- पं. नितिन शर्मा (बंटी)
पुत्री- कु. अंशिका शर्मा
मनोरमा कॉलोनी, सागर
मो- 9425171109